देहरादून,पौड़ी–गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित | www.page3news.in | नगर संस्करण वर्ष 20 अंकः 346 पृष्ठ : 8 मूल्यः एक रूपए

पेज थ्री

देहरादून, शनिवार, 14 मार्च 2026

विचार–प्रवाह...
क्लिक के दलदल में फँसा समाज

मौसम | अधिकतम 29.0° | न्यूनतम 18.0° | 82924.41

2 ईरान के मारे गए टॉप परमाणु वैज्ञानिक | 7 भारत खेलेगा अधिक वनडे मैच

अफवाह फैला रही कांग्रेसः पीएम

पीएम मोदी ने असम दौरे पर पंडित नेहरू का जिक्र कर नीतियों पर बोला हमला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हजारों करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण करने के अलावा शुक्रवार को पीएम किसान सम्मान निधि की 22वीं किस्त भी ट्रांसफर की। पीएम मोदी ने टर्मिनल, जेटी से लेकर सड़कों से जुड़ी हजारों करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास भी किया।

पीएम मोदी ने पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत करोड़ों किसानों के बैंक खातों में सवा चार लाख करोड़ रुपये की राशि जमा हो जाने का दावा भी किया। उन्होंने कहा कि योजना की शुरुआत होने के बाद कांग्रेस वाले कहते थे कि आज भले ही पैसे दिए जा रहे हैं, लेकिन चुनाव के बाद पैसे सरकार को वापस करने पड़ेंगे। ये झूठ बोलने में एक्सपर्ट हैं। किसानों को भ्रमित करने का प्रयास किया गया, लेकिन आज ये साबित हो चुका है कि ये योजना देश के करोड़ों किसानों के लिए सामाजिक सुरक्षा का पर्याय बन चुका है। पीएम मोदी ने कहा कि युद्ध से बने संकटों के बीच भी कांग्रेस अफवाहें फैलाने और दुष्प्रचार करने में जुटी है। उन्होंने विपक्षी दल को नसीहत भी दी। कांग्रेस अपनी स्वार्थी राजनीति के लिए अलग–अलग समुदायों में फूट डाल देती है।

पीएम मोदी ने असम में कांग्रेस के कार्यकाल में हुए घोटालों को लेकर भी जमकर जुबानी हमले किए। उन्होंने कहा कि एनडीए की सरकार किसानों के कल्याण को लेकर प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि बीते एक दशक में भाजपा–एनडीए की सरकार ने आत्मनिर्भरता को लेकर भी अहम फैसले लिए हैं।

दुनिया के दूसरे हिस्सों में होने वाली लड़ाई का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा, पहले किसानों पर सीधा असर पड़ता था। कभी खाद महंगी होती थी, कभी डीजल और ऊर्जा पर खर्च बढ़ जाता था। ऐसा इसलिए क्योंकि दशकों तक कांग्रेस पार्टी ने भारत को दूसरे देशों पर निर्भर रखा था। आज सरकार कोशिश इस बात की कर रही है कि डीजल पर खर्च को न्यूनतम किया जा सके। उन्होंने सौर ऊर्जा का जिक्र करते हुए कहा कि मौजूदा सरकार अन्नदाता को ऊर्जा–दाता बनाने की दिशा में लगातार प्रयास कर रही है।

पंडित नेहरू का जिक्र कर तीखा कटाक्ष

प्रधानमंत्री ने कांग्रेस की नीतियों पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि कई खाद के कारखानों पर ताले लग गए थे, जिसे एनडीए के कार्यकाल में दोबारा शुरू कराया गया। पीएम मोदी ने कहा, एक तरफ भाजपा–एनडीए सरकार किसानों को लेकर काम कर रही है, देश को आत्मनिर्भर बनाने में जुटे हैं। तो दूसरी तरफ आज कांग्रेस ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वो किसी भी स्थिति में देश के प्रति ईमानदार नहीं है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 15 अगस्त के दिन लाल किले से पंडित नेहरू जी ने जो भाषण दिए हैं, उसे एक बार फिर सुनना चाहिए। उन्होंने भारत में महंगाई बढ़ने के पीछे को लेकर उत्तर और दक्षिण कोरिया की लड़ाई को कारण बताने को लेकर भी कटाक्ष किया।

कोकराझार में भी कांग्रेस पर हमला

इससे पहले पीएम मोदी ने अपने वर्चुअल संबोधन के दौरान सबसे पहले खराब मौसम के कारण कोकराझार न आ सकने को लेकर अफसोस जताया। पीएम मोदी एक अन्य कार्यक्रम में असम के ही कोकराझार की जनता से मुखातिब हुए। प्रधानमंत्री मोदी ने इस कार्यक्रम में भी कांग्रेस को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा, कांग्रेस झूठे वायदों की दुकान है और एक झूठे वादे के साथ चार सुपर झूठ गिफ्ट में देती है। क्योंकि उन वादों को पूरा करने का कांग्रेस का इरादा ही नहीं होता। वहीं आपके सामने भाजपा–एनडीए का मॉडल है। हमारी डबल इंजन सरकार ने जो भी कहा, उसको सच करने की ईमानदार कोशिश की है।

संक्षिप्त समाचार

पीएम किसान निधि पर मोदी की सौगात

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज नई दिल्ली। देश के करोड़ों किसान को तोहफा मिला है। दरअसल, नरेंद्र मोदी सरकार ने पीएम–किसान सम्मान निधि की 22वीं किस्त जारी कर दी है। पीएम मोदी ने गुवाहाटी, असम में एक कार्यक्रम के दौरान 22वीं किस्त के 2000 रुपये को ट्रांसफर किए। इसका लाभ 9.32 करोड़ से अधिक किसानों को मिलेगा। बता दें कि पीएम–किसान सम्मान निधि की 22वीं किस्त प्राप्त करने वाले लाभार्थियों में 2.15 करोड़ से अधिक महिला किसान हैं।

ईरान के विदेश मंत्री ने एस. जयशंकर से चौथी बार बात की

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ एक बार फिर फोन पर बातचीत की है। ईरान के विदेश मंत्री ने भारत को ताजा हालात के बारे में जानकारी दी है। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अराघची से हुई बातचीत के बारे में जानकारी साझा की है।

होर्मुज में भारतीय जहाजों को सुरक्षित निकलने की ईरान ने दी इजाजत?

ईरान के राजदूत ने सुरक्षित मार्ग देने का दिया संकेत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। अमेरिका और इजरायल द्वारा मिलकर ईरान पर किए गए हमले के बाद लगातार वैश्विक ऊर्जा संकट बढ़ रहा है। भारत भी एक बड़े ऊर्जा आयातक के रूप में इससे अछूता नहीं है। ऐसी स्थिति में होर्मुज में फंसे जहाजों को लेकर भारत में ईरानी राजदूत मोहम्मद फताली ने खुशखबरी दी है। उन्होंने कहा कि होर्मुज से भारतीय जहाजों को सुरक्षित रास्ता देने की खबर आने वाले दो से तीन घंटों को अंदर आ जाएगी। राजदूत ने कहा कि भारत हमारा दोस्त है और हमारे विश्वास एक जैसे हैं।

मीडिया से बात करते हुए फताली ने कहा कि हमारा (ईरान का) यह मानना है कि क्षेत्र के लिए भारत और ईरान दोनों देश समान हित साझा करते हैं। होर्मुज से भारतीय जहाजों को सुरक्षित रास्ता दिए जाने के सवाल पर फताली ने कहा, ष्हां, जल्दी ही आपको यह खबर सुनने को मिलेगी, मेरा मानना है कि आने वाले 2 से 3 घंटों के अंदर आपको यह जानकारी मिल जाएगी। भारत हमारा दोस्त है, और हम मानते हैं कि क्षेत्र के लिए हम दोनों देश समान हित साझा करते हैं।

इससे पहले गुरुवार देर रात प्रधानमंत्री मोदी और ईरानी राष्ट्रपति पेजशिकयान के बीच हुई बातचीत का जिक्र करते हुए फताली ने कहा कि दोनों नेताओं के बीच में बेहतर बातचीत हुई है। उन्होंने कहा, दोनों नेताओं के बीच में अच्छी बातचीत हुई है। मोदी और पेजेश्कियान दोनों का मानना है कि शांति के लिए उन्हें पूरी कोशिश करना चाहिए। हमने कई बार इस बात को कहा है कि ईरान युद्ध नहीं चाहता, लेकिन अगर जरूरत पड़ती है, तो वह उसके लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

भारत हमारी मदद करता है, हम भारत कीः ईरानी राजदूत

भारत में ईरान के राजदूत ने कहा, यह हमारे लिए दुख का समय है। इसी कारण से भारत सरकार हमारी मदद करती है और हमें भी भारत सरकार की मदद करनी चाहिए। क्योंकि दोनों देशों के बीच में समान आस्था और समान हित हैं। भारत में ईरान के राजदूत के रूप में, मैं यह मानता हूं कि इस क्षेत्र में हमारी एक साझा आस्था है। इसी वजह से ईरान के सभी अधिकारियों को और भारत में मौजूद दूतावास के सभी अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि ईरान और भारत की सरकारों के बीच सहयोग का रास्ता तैयार करें।

देश में तेल और गैस का नहीं संकट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में ईरान और इस्राइल–अमेरिका के बीच जारी तनाव और होर्मुज क्षेत्र में तेल व गैस के जहाजों की आवाजाही प्रभावित होने की खबरों के बीच भारत में ईंधन संकट की आशंकाएं जताई जा रही हैं। हालांकि केंद्र सरकार ने साफ कहा है कि देश में पेट्रोल, डीजल और घरेलू रसोई गैस की कोई कमी नहीं है।

संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने बताया कि भारत की कुल शोधन क्षमता 258 मिलियन मीट्रिक टन है और देश पेट्रोल व डीजल के उत्पादन में आत्मनिर्भर है। उन्होंने कहा कि देश की सभी रिफाइनरियां फिलहाल 100 प्रतिशत या उससे अधिक क्षमता पर काम कर रही हैं और उनके पास कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार मौजूद है। इस वजह से पेट्रोल और डीजल के आयात की आवश्यकता नहीं है।

एलपीजी आपूर्ति को लेकर शर्मा ने कहा कि देशभर के 25 हजार से अधिक एलपीजी वितरकों में कहीं भी गैस खत्म होने की स्थिति नहीं आई है। उन्होंने कहा कि घरेलू उपभोक्ताओं को बिना किसी रुकावट के एलपीजी उपलब्ध कराई जा रही है और अस्पतालों व शैक्षणिक संस्थानों को प्राथमिकता के आधार पर सिलेंडर दिए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि 5 मार्च की तुलना में रिफाइनरियों में एलपीजी का घरेलू उत्पादन लगभग 30 प्रतिशत बढ़ा दिया गया है।

दावा

- राज्यों को जमाखोरी पर सख्ती के निर्देश

अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने संयुक्त प्रेस वार्ता में कहा कि सरकार लगातार हालात पर नजर बनाए हुए है और देश में तेल–गैस की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है। उन्होंने नागरिकों से अफवाहों पर ध्यान न देने और घबराकर बुकिंग या खरीदारी न करने की अपील की।

Are you Planning to make a Website or already have ?
If yes, then we are here to serve you

What we do

Website Development
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.

Promotion & Branding
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS

Search Engine Optimisation
A-2-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.

Contact:
Gadoli Media Ventures
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. | Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in

पीएम संविधान की विचारधारा को नहीं मानते

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

- नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर लगाया आरोप

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी शुक्रवार को लखनऊ पहुंचे। जहां इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में कांशीराम जयंती के अवसर पर आयोजित सामाजिक परिवर्तन दिवस कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि कांशीराम जी समाज में बराबरी की बात करते थे। कांग्रेस अपना काम पूरी तरह से नहीं कर सकी। यही कारण है कि कांशीराम जी सफल हुए। अगर कांग्रेस ठीक तरह से काम करती तो कांशीराम जी कभी सफल न होते। उन्होंने कहा कि अगर जवाहर लाल नेहरू जी जिंदा होते तो कांशीराम जी कांग्रेस के मुख्यमंत्री होते और अब भाजपा ने सरकार के 85 प्रतिशत हिस्से की अनदेखी की है।

राहुल गांधी ने कहा कि हमारे संविधान में हमारे देश के हजारों साल की विचारधारा है। इसमें सावरकर की विचारधारा नहीं है। गोडसे की विचारधारा नहीं है। इसलिए वो लोग इसे नहीं मानते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कुछ भी कह लें लेकिन वो संविधान की विचारधारा को नहीं मानते हैं।

इजरायली हमलों में ईरान के मारे गए टॉप परमाणु वैज्ञानिक

रिपोर्ट

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने किया दावा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

तेल अवीव। बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि इजरायली हमलों में ईरान के एक टॉप परमाणु वैज्ञानिक को मार दिया गया है। एक प्रेस ब्रीफिंग में नेतन्याहू ने यह दावा किया और कहा कि पिछले दो हफ्तों के हमलों में ईरान को भारी झटका लगा है। वहीं, उनका देश पहले से कहीं ज्यादा मजबूत होता जा रहा है। नेतन्याहू ने कहा कि इजरायली हमले में इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स और बासिज फोर्स को गंभीर नुकसान पहुंचा है।

अमेरिका और इजरायल का कहना है कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम को पूरी तरह से नष्ट करना युद्ध के मुख्य लक्ष्यों में से एक है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी बार–बार कहा है कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल नहीं करने दिया जा सकता है। 28 फरवरी को युद्ध शुरू होने के बाद पहली बार प्रेस को संबोधित करते हुए नेतन्याहू ने ईरान के नए

सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई की आलोचना की। नेतन्याहू ने मोजतबा को आईआरजीसी की कठपुतली बताया जो लोगों के सामने नहीं आ सकता। उन्होंने ईरानी लोगों को संबोधित करते हुए आजादी के नए रास्ते का मौका बताया। साथ ही कहा कि आखिरकार यह आप पर निर्भर करता है। यह आपके हाथों में है।

नेतन्याहू ने कहा, हम ईरान में आतंक के राज को कुचल रहे हैं। हम उसके लेबनान में उसके प्रॉक्सी हिजबुल्लाह पर हमले कर रहे हैं और उसे हरा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, हमने परमाणु कार्यक्रम के संबंध में भी यही किया, जिसमें ईरान के वरिष्ठ वैज्ञानिकों को एक जानलेवा झटका देना शामिल है। ये वही लोग थे, जो हमें तबाह करने के मकसद से बनाए जा रहे परमाणु बमों के विकास का नेतृत्व कर रहे थे। वे अब इस दुनिया में नहीं हैं। हमने अभी–अभी कुछ और लोगों को भी निशाना बनाया है।

यह पहली बार नहीं है, जब इजरायल ने ईरान के परमाणु वैज्ञानिकों को निशाना बनाया है। जून 2025 में 12 दिनों के युद्ध में 6 प्रमुख परमाणु वैज्ञानिकों को मार डाला था। इसमें मोहम्मद मेहदी तेहरानची और फरीदौन अब्बासी जैसे बड़े परमाणु वैज्ञानिक भी थे। तेहरानची एक थ्योरेटिकल फिजिसिस्ट थे। वहीं, अब्बासी ईरान के परमाणु ऊर्जा संगठन के पूर्व प्रमुख और ईरान की संसद के पूर्व सदस्य थे। उनके पास न्यूक्लियर फिजिक्स में पीएचडी की डिग्री थी और रक्षा मंत्रालय में न्यूक्लियर रिसर्च में शामिल रहे थे। साल 2010 में अब्बासी तेहरान में एक धमाके में बाल–बाल बच गए थे। इन धमाकों में उनके साथी परमाणु वैज्ञानिक माजिद शहरियारी की मौत हो गई थी।

ईरान ने इस घटना के लिए इजरायल को जिम्मेदार ठहराया था। फ्रांसीसी अखबार ले मोंडे ने जुलाई 2025 की अपनी रिपोर्ट में जांच के हवाले से बताया था कि जून 2025 में 12 दिनों के संघर्ष के दौरान इजरायली हमले में ईरान के परमाणु बम बनाने में शामिल 16 शोधकर्ताओं की मौत हुई थी।

न्यूज डायरी

अमेरिकी मीडिया ने मोजतबा के घायल होने या कोमा में होने का किया दावा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) अमेरिका। ईरान के नए सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बड़ी बात कही है। ट्रंप का मानना है कि मोजतबा खामेनेई अभी भी किसी तरह जिंदा हैं। ट्रंप का यह बयान अमेरिकी मीडिया की एक रिपोर्ट के बाद आया है। इस रिपोर्ट में दावा किया गया कि 28 फरवरी को तेहरान पर हुए हमले के दौरान अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के साथ ही मोजतबा खामेनेई भी घायल हो गए थे। अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट में दावा किया गया था मोजतबा खामेनेई कोमा में हो सकते हैं। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि ईरान में युद्ध शुरू होने के बाद पद संभालने के बाद से मोजतबा सार्वजनिक रूप से दिखाई नहीं दिए हैं। फॉक्स न्यूज रेडियो पर ब्रायन किल्मीड शो से बात करते हुए ट्रंप ने कहा, मुझे लगता है कि शायद वे जीवित हैं। मुझे लगता है कि उन्हें चोट लगी है, लेकिन मुझे लगता है कि वे शायद किसी न किसी रूप में जिंदा हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने मोजतबा खामेनेई के ईरान के सुप्रीम लीडर का पद संभालने के बाद पहली बार उन्हें लेकर टिप्पणी की है। ट्रंप ने यह भी संकेत दिया कि ईरान के साथ चल रहे युद्ध में अमेरिका पीछे नहीं हटेगा। ईरान में हुए हालिया हमलों के बाद मोजतबा खामेनेई को लेकर कई तरह की बातें सामने आ रही हैं। द सन की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि 56 वर्षीय खामेनेई ने हमलों में अपनी एक टांग गंवा दी है और उनके पेट या लीवर में भी गंभीर चोटें आई हैं। अमेरिका के हमले में मोजतबा खामेनेई की पत्नी, उनकी एक बहन, उनकी भतीजी और उनके पिता और सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की भी मौत हो गई थी।

कंगाली में पाकिस्तान को आईएमएफ का बड़ा झटका, नहीं मिलेगा फंड

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने बड़ा झटका दिया है। लंबी चर्चा के बावजूद पाकिस्तान और प्व्ष्ठ के बीच स्टाफ लेवल एग्रीमेंट नहीं हो सका है। इसके चलते अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के 7 अरब डॉलर के लोन कार्यक्रम का तीसरा रिव्यू नाकाम हो हो गया है। इस समझौते के बाद पाकिस्तान को 1 अरब डॉलर की किश्त जारी की जानी थी, जो अब नहीं दी जाएगी।

हालांकि, आईएमएफ ने कहा है कि पाकिस्तान के साथ पॉलिसी पर बातचीत आने वाले दिनों में बातचीत जारी रहेगी, ताकि किश्त के लिए स्टाफ–लेवल के समझौते पर आम सहमति बन सके। आईएमएफ ने पाकिस्तान के बड़े राजकोषीय अंतर को लेकर चिंता जताती है। बातचीत बेनतीजा रहने के बाद आईएमएफ की मिशन प्रमुख इवा पेट्रोवा ने कहा कि हालांकि चर्चा में काफी प्रगति हुई है, लेकिन यह आने वाले दिनों में भी जारी रहेगी। पेट्रोवा ने कहा कि आईएमएफ हाल के वैश्विक घटनाक्रमों का पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था और एक्सटेंडेड फंड फैसिलिटी समर्थित कार्यक्रम पर पड़ने वाले प्रभाव का पूरी तरह से आकलन करेगा। आईएमएफ ने पाकिस्तान की किश्त ऐसे समय में रोकी है, जब ईरान युद्ध के चलते पाकिस्तान मुश्किल के सामने ऊर्जा संकट मुंह फैलाए खड़ा है। वैश्विक ऊर्जा की कीमतें बढ़ रही हैं। वहीं, होर्मुज स्ट्रेट बंद होने के चलते तेल और गैस की सप्लाई भी प्रभावित हुई है।

भारत को छूट के बाद अमेरिका ने दी बाकी देशों को राहत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) अमेरिका। अमेरिका–इजरायल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध से दुनियाभर में सबसे ज्यादा प्रभाव ऊर्जा बाजारों पर पड़ा है। मिडिल ईस्ट में तनाव की वजह से तेल की बढ़ती जा रही हैं। ऐसे में अमेरिका ने कई देशों को रूस से तेल खरीदने की छूट दी है। ट्रंप प्रशासन ने अन्य देशों को रूस से तेल खरीदने के लिए अस्थायी अनुमति देने की घोषणा की है। इससे पहले अमेरिका ने भारत को भी रूस से तेल खरीदने की छूट देने के लिए कहा था। यूएस के ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर करते हुए कहा, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप वैश्विक ऊर्जा बाजारों में स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए निर्णायक कदम उठा रहे हैं और कीमतों को कम रखने के लिए काम कर रहे हैं।

बेसेंट ने कहा, मौजूदा आपूर्ति की वैश्विक पहुंच बढ़ाने के लिए, अन्य देशों को रूस से तेल खरीदने की छूट देने के लिए एक अस्थायी प्राधिकरण प्रदान कर रहा है।

इराक में फ्रेंच मिलिट्री बेस पर ईरान का हमला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इरबिल। फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने शुक्रवार को बताया कि इराक के उत्तरी कुर्द क्षेत्र में इरबिल को निशाना बनाकर किए गए एक हमले में एक फ्रांसीसी सैनिक की मौत हो गई है। फ्रांस ने इससे पहले बताया कि इरबिल में फ्रेंच मिलिट्री बेस पर ड्रोन हमला हुआ, इस हमले में छह सैनिक घायल हो गए।

इरबिल में फ्रांसीसी सैनिक मल्टीनेशनल आतंकवाद–रोधी मिशन के तहत तैनात हैं, जो इस्लामिक स्टेट के आतंकवादियों के खिलाफ लड़ाई में इराकी सेना का सहयोग कर रहा है। मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध में इराक को भी खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। इराक में फ्रांसीसी सैनिकों की तैनाती की वजह से इस हमले में फ्रांस के एक सैनिक की भी मौत हो गई। अमेरिका और इजरायल मिलकर ईरान पर हमला कर रहे हैं। वहीं ईरान ने इस युद्ध में खाड़ी देशों को भी घसीट लिया है और ईरान बाकी देशों पर लगातार हमले कर रहा है। इराक, संयुक्त अरब अमीरात और कुवैत में भी ईरान ने कई बार हमले किए हैं। यूएई के शहर दुबई में ईरान ने कई मिसाइलें दागी हैं।

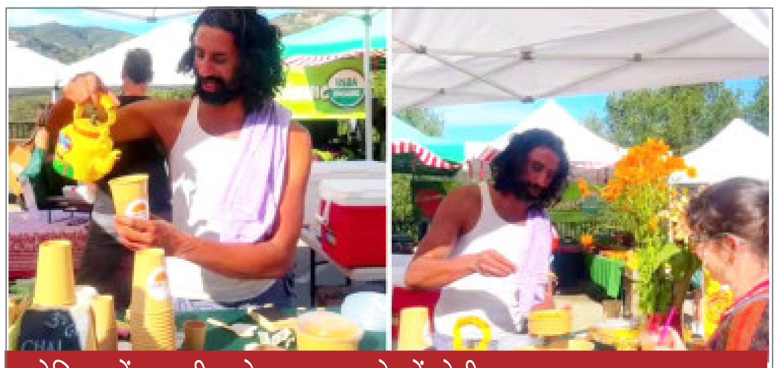

अमेरिका में भारतीय ने 780 रुपये में बेची एक कप चाय

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लॉस एंजिल्स। आईआईटी से ग्रेजुएशन करने के बाद स्टूडेंट्स को बेहतर नौकरी मिलती है या फिर वे स्टार्टअप का रास्ता भी चुनते हैं। लेकिन क्या आपने कभी किसी आईआईटी ग्रेजुएट करने वाले शख्स से चाय का ठेला लगाने की उम्मीद की है। अमेरिका के लॉस एंजिल्स में ऐसा ही हुआ है। भारत के आईआईटी ग्रेजुएट प्रभाकर प्रसाद ने अमेरिका में चाय का ठेला लगाया है। इसके चलते वे इन दिनों खूब चर्चा में आ गए हैं। आईआईटी ग्रेजुएट प्रभाकर प्रसाद का परिवार बिहार से आकर भोपाल में बस गया था। इनकी स्कूलिंग भी भोपाल में ही हुई। आईआईटी खड़गपुर से ग्रेजुएशन करने के बाद प्रभाकर ने मुंबई में बॉडी बिल्डिंग और मॉडलिंग में हाथ आजमाया, लेकिन वहां सफलता नहीं मिली। प्रभाकर के चाय के ठेले की खास बात ये है कि इनके टी–स्टॉल पर एक कप चाय की कीमत 8 डॉलर है, जो कि भारतीय करेंसी में बदलने पर 780 रुपये के करीब होगी।

ईरान ने तेल और गैस भंडारों को बम से उड़ाने की दी धमकी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

तेहरान। ईरान ने अमेरिका को चेतावनी दी है और कहा है कि ईरान, अमेरिका को पछताने पर मजबूर कर देगा। ईरान ने कहा कि वह होर्मुज जलडमरूमध्य पर अपना शिकंजा कसना जारी रखेगा, जिससे तेल की कीमतें आसमान छूने लगेंगी। इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी ने चेतावनी दी कि मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध, तेल उद्योग के इतिहास में आपूर्ति में सबसे बड़ी बाधा का कारण बन सकता है।

आईईए की चेतावनी के बाद भी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा, ईरान के दुष्ट साम्राज्य को हराना कच्चे तेल की कीमतों से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण है। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी खुफिया

■वैश्विक तेल आपूर्ति बाधित होगी और कीमतें आसमान छू जाएंगी

सूत्रों ने बताया कि ईरान ने इस जलमार्ग में समुद्री माइंस बिछाना शुरू कर दिया है। ईरान ने अमेरिका को धमकी देते हुए कहा है कि वो इस रास्ते से जाने वाले गैस और तेल में आग लगा देंगे।

ईरान ने कहा, जब तक अमेरिका–इजरायल के हमले जारी रहेंगे, तब तक एक लीटर तेल भी बाहर नहीं जा सकेगा। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से दुनिया के समुद्री तेल व्यापार का एक–चौथाई हिस्सा गुजरता है। इस जलमार्ग के रास्ते ही दुनिया की लिक्विफाइड नेचुरल गैस की आपूर्ति का पांचवां हिस्सा गुजरता है। यह ईरान के तट के पास स्थित है। ईरान के सुरक्षा प्रमुख अली लारीजानी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, युद्ध शुरू करना आसान है, लेकिन इसे कुछ ट्वीट से जीता नहीं जा सकता। हम तब तक पीछे नहीं हटेंगे जब तक हम आपको इस गलत अनुमान के लिए पछताने पर मजबूर नहीं कर देते।

ईरान के नए सुप्रीम लीडर बनने के बाद मोजतबा खामेनेई का बयान भी सामने आया। खामेनेई ने उस जलमार्ग के बारे में कहा, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बंद करने के हथियार का इस्तेमाल निश्चित रूप से किया जाना चाहिए। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि अमेरिका–इजरायल का संयुक्त अभियान ईरान और लेबनान में तेहरान समर्थित आतंकवादी समूह हिजबुल्लाह को कुचल रहा है।

मोदी ने रमजान में युद्ध छिड़ने पर जताया खेद

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) तेहरान। ईरान ने कहा है कि प्रधानमंत्री मोदी ने रमजान के पवित्र महीने के दौरान युद्ध छिड़ने पर खेद व्यक्त किया है और उम्मीद जताई कि नया साल इस क्षेत्र में शांति, स्थिरता और अमन–चैन लेकर आएगा। इस दौरान मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि भारत कूटनीति के मार्ग पर चलते हुए एक रचनात्मक भूमिका निभाने के लिए हर संभव प्रयास करेगा ताकि संघर्ष का और ज्यादा बढ़ना किसी भी पक्ष के हित में न हो। पीएम मोदी ने कल देर शाम ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन से टेलीफोन पर बातचीत की थी। आज सुबह में ईरान की तरफ से एक रीडआउट जारी किया गया है। ईरान की सरकारी मेहर न्यूज के मुताबिक इस रीडआउट में दोनों नेताओं के बीच हुई बातचीत का ब्योरा दिया गया है।

Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

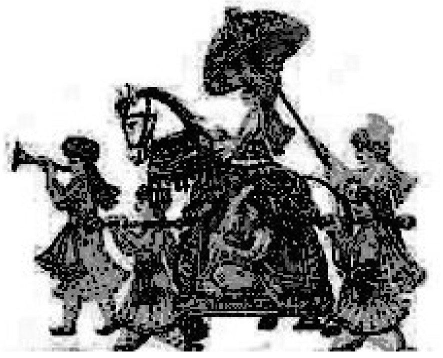

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

जरूरतमंद नागरिकों की सहायता के लिए हरसंभव प्रयास किए जाते रहेंगेः डीएम

असहायय दिव्यांग, महिला, बुजुर्ग नौनिहालों के हितो के रक्षण हेतु तत्पर जिला प्रशासन

प्रोजेक्ट नंदा-सुनंदा

संवाददाता

देहरादून। जनपद में असहाय, पीड़ित एवं जरूरतमंद नागरिकों की सहायता के प्रति जिला प्रशासन निंरतर संवेदनशीलता से कार्य कर रहा है। जिलाधिकारी के मानवीय हस्तक्षेप से विपरीत परिस्थितियों से जूझ रही 5 बच्चों की माता मीना ठाकुर एवं 2 बच्चों की माता परित्यक्ता अमृता जोशी को 1–1 लाख की धनराशि सीएसआर फंड से प्रदान की गई है।

जिलाधिकारी के निर्देश पर उप जिलाधिकारी न्याय कुमकुम जोशी ने प्रकरणों पर जांच जिलाधिकारी को रिपोर्ट सौंपी। सुद्दोवाला निवासी मीना ठाकुर ने जिलाधिकारी से मिलकर अपनी पीड़ा साझा की। उन्होंने बताया कि उनके पति पिछले लगभग आठ वर्षों से लापता हैं, जिनका अब तक कोई पता नहीं चल पाया है। ऐसी परिस्थिति में मीना ठाकुर पर अपने पांच बच्चों के लालन–पालन, शिक्षा और भरण–पोषण की पूरी जिम्मेदारी आ गई है। आर्थिक रूप से कमजोर स्थिति के कारण वह किराये के मकान में रहकर बड़ी कठिनाई से अपने परिवार का गुजर–बसर कर रही हैं। मीना ठाकुर के परिवार में 4 बेटियां तथा 1 बेटा व 2 दिव्यांग बेटी है। बच्चों की शिक्षा तथा परिवार की दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति करना उनके लिए अत्यंत चुनौतीपूर्ण हो गया था। विशेष रूप से दिव्यांग बेटी के देखभाल एवं उपचार की जिम्मेदारी के कारण आर्थिक दबाव और अधिक बढ़ गया था। मीना ठाकुर की समस्या को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने सीएसआर (कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी) फंड से 01 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए, जो सीधे उनके बैंक खाते में हस्तांतरित कर दी गई।

जिलाधिकारी द्वारा प्रदान की गई इस सहायता राशि से मीना ठाकुर अब स्वरोजगार के माध्यम से कोई छोटा–मोटा व्यवसाय प्रारंभ कर अपने परिवार के भरण–पोषण के लिए स्थायी आय का स्रोत विकसित कर सकेंगी।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि मीना ठाकुर के परिवार को सरकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने मीना ठाकुर की तीनों बेटियों की शिक्षा को "प्रोजेक्ट नंदा–सुनंदा" के माध्यम से पुनर्जीवित करने के निर्देश दिए, जिससे उनकी पढ़ाई निर्बाध रूप से जारी रह सके। इसके साथ ही जिलाधिकारी ने जिला समाज कल्याण अधिकारी एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी को निर्देशित किया कि मीना ठाकुर की दिव्यांग बेटियों के कल्याण के लिए विभाग द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराया जाए।

जिलाधिकारी की इस पहल से न केवल एक जरूरतमंद परिवारों को संकट की घड़ी में संबल मिला है, जिला प्रशासन द्वारा असहाय, व्यथित एवं पीड़ित व्यक्तियों की समस्याओं के समाधान के लिए त्वरित और मानवीय कदम उठाए जाते हैं।

न्यूज डायरी

गंगाघाटों की सफाई कर दिया स्वच्छता का संदेश

संवाददाता ऋषिकेश। नगर निगम प्रशासन की ओर से शुक्रवार को गंगा घाटों पर सफाई अभियान चलाया गया। इस दौरान करीब दस कुंतल कचरा एकत्र कर श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक भी किया गया। शुक्रवार को त्रिवेणीघाट से शुरू हुए सफाई अभियान में मेयर शंभू पासवान शामिल हुए। उन्होंने पर्यावरण मित्रों, त्रिवेणी सेना की महिलाओं और स्थानीय लोगों के साथ गंगाघाटों पर फैला कूड़ा–कचरा हटाया। गंगा तट पर भी प्लास्टिक के रेपर आदि को साफ किया। कहा कि स्थानीय लोगों को इस तरह के अभियान में जुटना चाहिए। उन्होंने नगर को साफ–सुथरा रखने में यहां के वासियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी जोर दिया। वहीं, सुबह दस लेकर दोपहर करीब 12 बजे तक चले अभियान में जमा कचरे को निस्तारण के लिए भेजा गया। नगर आयुक्त गोपाल राम बिनवाल ने बताया कि इस तरह के अभियानों के माध्यम से लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

एमएसडीई ने गति फाउंडेशन के साथ एमओयू साइन किया

संवाददाता देहरादून । भारत सरकार के कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) ने आज एसएफआई इम्पैक्ट फाउंडेशन के तहत एक प्रोजेक्ट, गति फाउंडेशन के साथ एक मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू) पर साइन किया। इसका उद्देश्य विदेशों में रोजगार और कुशल भारतीय श्रमिकों की ग्लोबल मोबिलिटी को सहयोग करने वाले इंस्टीट्यूशनल मैकेनिज्म को मजबूत करना है। इस एमओयू का उद्देश्य दोनों संगठनों के बीच सहयोग के लिए एक स्ट्रेटेजिक फ्रेमवर्क बनाना है ताकि स्किल्ड टैलेंट के ग्लोबल हब के तौर पर भारत की स्थिति को आगे बढ़ाया जा सके और भारतीय युवाओं को एक स्ट्रक्चर्ड और सस्टेनेबल तरीके से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जॉब के अवसर मिल सकें।

भारतीय बैंकिंग में बदल रही है भरोसे की परिभाषा

संवाददाता देहरादून । आज के दौर में बैंकिंग सिर्फ पैसे रखने या लेन–देन तक सीमित नहीं रह गई है। ग्राहक अब पहले से ज्यादा जागरूक हैं, उनके पास जानकारी भी है और विकल्प भी। ऐसे में वे सिर्फ बैंक की आर्थिक मजबूती नहीं देखते, बल्कि यह भी चाहते हैं कि बैंक की सेवा भरोसेमंद हो, जिम्मेदारी से काम करे और हर समय साथ खड़ा रहे। इस विषय पर उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक ने ग्राहकों का खूब भरोसा जीता है। पिछले कुछ वर्षों में बैंकिंग क्षेत्र का बड़ा लक्ष्य ज्यादा से ज्यादा लोगों को बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ना रहा। इस दिशा में काफी काम भी हुआ और अब देश के अधिकतर लोग बैंकिंग सेवाओं तक पहुँच बना चुके हैं।

खुशखबरीः अल्मोड़ा में खुलेगा लैंग्वेज ट्रेनिंग सेंटर

संवाददाता देहरादून। विदेशी भाषाएं सीखकर विभिन्न देशों में नौकरी करने के इच्छुक छात्र–छात्राओं को सरकार ने बड़ा तोहफा दिया है। सरकार ने अल्मोड़ा में लैंग्वेज ट्रेनिंग सेंटर खोलने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री कौशल उन्नयन एवं वैश्विक रोजगार योजना के अंतर्गत वर्तमान में सिर्फ एक सेंटर है। यह सेंटर वर्ष 2023 से देहरादून में संचालित है। अल्मोड़ा में सेंटर खुलने के बाद इस तरह के सेंटरों की प्रदेश में संख्या दो हो जाएगी।

राज्य सरकार ने वर्ष 2023 से मुख्यमंत्री कौशल उन्ययन एवं वैश्विक रोजगार योजना को शुरू किया है। इसके अंतर्गत देहरादून में पहला लैंग्वेज ट्रेनिंग सेंटर खोला गया है, जिसमें विभिन्न भाषाओं का बच्चों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है और यहीं से उनकी नौकरी की व्यवस्था की जा रही है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विभाग को निर्देश दिए हैं कि इन सेंटरों की संख्या बढ़ाई जाए। ताकि ज्यादा से ज्यादा बच्चों को इसका लाभ मिल सके। शुक्रवार को विधानसभा के बजट सत्र के पांचवें दिन कौशल विकास मंत्री सौरभ बहुगुणा ने सरकार की ओर से अल्मोड़ा में लैंग्वेज ट्रेनिंग सेंटर खोलने की घोषणा की।

इस योजना में ज्यादा से ज्यादा बच्चों को लाभ पहुंचाने को लेकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी काफी गंभीर है। यही वजह है कि इस योजना में ट्रेनिंग का जो बजट सिर्फ 75 लाख रूपये का था, उसे इस बार 3.3 करोड़ रूपये कर दिया गया है। कौशल विकास मंत्री सौरभ बहुगुणा ने कहा कि मुख्यमंत्री की सकारात्मक सोच के चलते अब और ज्यादा बच्चों को ट्रेनिंग का लाभ मिल पाएगा।

वंशिका–कुलदीप की हल्दी और मेहंदी की रस्में हुई पूरी

संवाददाता मसूरी। पहाड़ों की रानी मसूरी में भारतीय क्रिकेटर कुलदीप यादव की शादी की हल्दी व मेंहदी की रस्म धूमधाम से संपन्न हो गई है । शनिवार को कुलदीप यादव वंशिका के साथ सात फेरे लेंगे। रस्मों में दोनों परिवारों के लोग और करीबी मेहमान शामिल हुए। संगीत और कॉकटेल कार्यक्रम रात को होगा। कुलदीप यादव की शादी को लेकर शहर में भी उत्साह देखा जा रहा है। शुक्रवार को कुलदीप यादव की शादी की मेंहदी और हल्दी की रस्म होटल सवाय में हुई। हल्दी और मेहंदी की रस्में पारंपरिक रीति–रिवाजों के साथ संपन्न हुईं। समारोह में परिवार के सदस्य, रिश्तेदार और करीबी दोस्त मौजूद रहे और शादी की खुशियों में शामिल हुए। इस मौके पर कुलदीप यादव और उनकी दुल्हन वंशिका ने ढोल नगाड़ों के साथ हल्दी और मेंहदी की रस्म के लिए जाते समय खूब डांस किया।

उत्तराखण्ड के वित्तीय प्रबंधन को राष्ट्रीय स्तर पर मिली सराहनाः सीएम

संवाददाता

■ उत्तराखण्ड के वित्तीय प्रबंधन की सराहना की गई

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विधानसभा में कहा कि उत्तराखण्ड को हाल के वर्षों में वित्तीय प्रबंधन, राजकोषीय अनुशासन तथा सुशासन के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी राज्य के रूप में मान्यता प्राप्त हुई है। राज्य सरकार द्वारा पारदर्शी वित्तीय नीतियों, संसाधनों के प्रभावी उपयोग तथा दीर्घकालिक आर्थिक दृष्टि के साथ किए गए कार्यों के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं।

भराड़ीसैण (गैरसैण) में विधानसभा सत्र में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि हाल ही में नीति आयोग द्वारा प्रकाशित फिस्कल हेल्थ इंडेक्स 2026 (रिपोर्ट 2023–24) में उत्तराखण्ड के वित्तीय प्रबंधन की सराहना की गई है। इस रिपोर्ट में उत्तराखण्ड को उत्तर–पूर्वी एवं हिमालयी राज्यों की श्रेणी में दूसरा स्थान प्राप्त हुआ है। यह उपलब्धि राज्य की राजस्व वृद्धि, व्यय की गुणवत्ता में सुधार, घाटा प्रबंधन तथा ऋण प्रबंधन में अपनाई गई सुदृढ़ नीतियों का परिणाम है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वित्तीय अनुशासन के क्षेत्र में उत्तराखण्ड ने निरंतर बेहतर प्रदर्शन किया है। अरुण जेटली फाइनेंशियल मैनेजमेंट रिपोर्ट में भी उत्तराखण्ड को विशेष दर्जा प्राप्त हिमालयी राज्यों में अरुणाचल प्रदेश के बाद दूसरा स्थान प्राप्त हुआ है, जो राज्य की मजबूत वित्तीय व्यवस्था और उत्तरदायी शासन प्रणाली को दर्शाता है। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि महालेखाकार से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार उत्तराखण्ड सरकार ने एफआरबीएम में निर्धारित मानकों का पूर्णतः पालन किया है। राज्य ने राजस्व अधिशेष की स्थिति को बनाए रखा है तथा राजकोषीय घाटा भी सकल राज्य घरेलू उत्पाद की निर्धारित सीमा के भीतर रखा गया है।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य उत्तराखण्ड को आर्थिक रूप से और अधिक सशक्त बनाते हुए विकास की गति को तेज करना है। इसके लिए सरकार वित्तीय अनुशासन के साथ–साथ बुनियादी ढांचे, सामाजिक क्षेत्र तथा रोजगार सृजन से जुड़े क्षेत्रों में संतुलित निवेश कर रही है।

सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्तः डीएम

संवाददाता हरिद्वार। सीएम हेल्पलाइन पर दर्ज शिकायतों के समयबद्ध निस्तारण को लेकर डीएम मयूर दीक्षित ने अफसरों को सख्त निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जिन विभागों में 10 दिन से अधिक समय से जनशिकायतें लंबित हैं, वे शिकायतकर्ताओं से सीधे संवाद करके तीन दिन के भीतर समाधान सुनिश्चित करें। शुक्रवार को कलक्ट्रेट सभागार में हुई समीक्षा बैठक में डीएम ने विभिन्न विभागों में लंबित शिकायतों की समीक्षा की।

उन्होंने कहा कि सीएम हेल्पलाइन शासन की महत्वपूर्ण जन शिकायत निवारण प्रणाली है, जिसके माध्यम से आम जनता अपनी समस्याएं सीधे शासन तक पहुंचाती है। इसलिए सभी अफसर हर शिकायत का संतोषजनक समाधान उपलब्ध कराएं।

सूरज में यह दम-खम कहाँ कि आधी रात को दिखाई दे। चाँद रमता जोगी है, उसका कोई ठौर-ठिकाना नहीं। -अज्ञात।

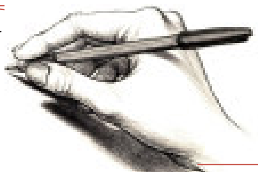

विचार-प्रवाह देहरादून, शनिवार, 14 मार्च 2026 पेज थ्री www.page3news.in

क्लिक के दलदल में फँसा समाज

डिजिटल प्लेटफॉर्म का पूरा ढांचा ध्यान के व्यापार पर टिका है। जितनी देर आप स्क्रीन पर टिके रहेंगे, उतना अधिक मुनाफा पैदा होगा। इस गणित में शोर सबसे सस्ता और असरदार हथियार है। ऊँची आवाज, उग्र भाषा, भड़काऊ हावभाव और अति–नाटकीयता यही वह मुद्रा है जिसे एल्गोरिद्म सबसे ज्यादा पसंद करते हैं।

डॉ. सत्यवान सौरभ।।

डिजिटल दुनिया कभी ज्ञान, संवाद और रचनात्मकता की प्रयोगशाला मानी जाती थी। यह विश्वास था कि इंटरनेट लोकतंत्र को मजबूत करेगा, हाशिये पर खड़े लोगों को आवाज देगा और असली प्रतिभा को पहचान दिलाएगा। लेकिन आज जब हम स्क्रीन पर उँगली चलाते हैं, तो एक अलग ही सच सामने आता है। यहाँ हुनर से ज्यादा हंगामा बिकता है, विचार से ज्यादा विवाद और मेहनत से ज्यादा मीम। थ्बमइववा और प्देजंहतंउ जैसे मंचों पर 'वायरल' होना सफलता की कसौटी बन चुका है। सवाल यह नहीं कि लोग मशहूर क्यों हो रहे हैं, सवाल यह है कि हम किस तरह की मशहूरी को पुरस्कार बना रहे हैं।

डिजिटल प्लेटफॉर्म का पूरा ढांचा ध्यान के व्यापार पर टिका है। जितनी देर आप स्क्रीन पर टिके रहेंगे, उतना अधिक मुनाफा पैदा होगा। इस गणित में शोर सबसे सस्ता और असरदार हथियार है। ऊँची आवाज, उग्र भाषा, भड़काऊ हावभाव और अति–नाटकीयता यही वह मुद्रा है जिसे एल्गोरिद्म सबसे ज्यादा पसंद करते हैं। जो व्यक्ति ठहराव से, तर्क से और संयम से बात करता है, वह भीड़ में गुम हो जाता है, जबकि तमाशा करने वाला मंच के बीचोंबीच बैठा होता है।

यह केवल कंटेंट की समस्या नहीं है, बल्कि प्रोत्साहन की है। जब प्लेटफॉर्म वही दिखाते हैं जो क्लिक दिलाता है, तो रचनाकार भी वही बनाने को मजबूर होता है। इस दौड़ में गुणवत्ता पीछे छूट जाती है और उत्तेजना आगे बढ़ती जाती है। ध ीरे–धीरे यह एक आदत बन जाती है, और आदत अंततः संस्कृति में बदल जाती है। कभी हुनर का अर्थ था अभ्यास, अनुशासन और धैर्य। आज हुनर का मतलब है ट्रेंड पकड़ लेना। कोई सड़क पर नाचकर मशहूर है, कोई गालियाँ देकर 'बोल्ड' कहलाता है, कोई निजी जीवन को सार्वजनिक तमाशा बनाकर 'रियल' होने का दावा करता है। असली प्रश्न यह नहीं कि ये लोग क्यों देखे जा रहे हैं, बल्कि यह है कि समाज किस तरह के आदर्श गढ़ रहा है।

यह नया मापदंड युवाओं के मन में एक खतरनाक संदेश बैठा रहा है कृ कि शॉर्टकट ही सफलता है। अगर आप शांत हैं, तो आप उबाऊ हैं। अगर आप गहरे हैं, तो आप अप्रासंगिक हैं। यह सोच न केवल कला और ज्ञान का अपमान है, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी जहरीली है। युवा खुद को लगातार तुलना के आईने में देखने को मजबूर है, जहाँ आत्मसम्मान लाइक्स और व्यूज की संख्या से तय होता है।

डर इस बात का है कि आने वाली पीढ़ी किताबें ज्ञान के लिए नहीं, बल्कि कंटेंट के लिए पढ़े। इतिहास, साहित्य और दर्शन अब सीखने के साधन नहीं, बल्कि विवाद पैदा करने की सामग्री बनते जा रहे हैं। लंबी सोच, संदर्भ और नैतिकता इन सबको 'बोरिंग' कहकर किनारे किया जा रहा है।

सनातन परंपरा

धर्म-दर्शन

अशोक वोहरा। यही खालसा का संकल्प है गिनती से नहीं, गुण से लड़ना। सिख पंथ कोई पृथक मार्ग नहीं, सनातन चेतना का ओजस्वी, उज्ज्वल और निर्भीक विस्तार है। सनातन परंपरा के पुनरुत्थान की उद्घोषणा है। गुरु गोबिन्द सिंह जी की वाणी में वेदों का विवेक है, गीता का कर्मयोग है और शक्ति–उपासना का ओज है। चंडी चरित्र में वे महाशक्ति का आह्वाहन करते हैं, चौबीस अवतार में विष्णु परंपरा का विस्तार करते हैं और 'शुभ करमन से कबहुँ न टरौं' में उसी सनातन प्रतिज्ञा को स्वर देते हैं, जिसने भारत को कभी पराजित नहीं होने दिया। गुरु के लिए राम, कृष्ण, दुर्गा प्रतीक नहीं संस्कार हैं। युद्धभूमि की प्रेरणा हैं। उनका जीवन सुविधाओं का नहीं, संघर्षों का सिंहनाद है। बलिदानों की बरछी है।

...शेष कल

संपादकीय

डिजिटल चमक

आज सच बोलने वाले के पास अक्सर सन्नाटा होता है। उसकी बातों में सनसनी नहीं होती, उसके निष्कर्ष तुरंत तालियाँ नहीं बटोरते। दूसरी ओर, तमाशा करने वालों के पास मेला होता है लाइक्स, शेयर, फॉलोअर्स और ब्रांड डील्स। यह असंतुलन खतरनाक है, क्योंकि समाज शोर से नहीं, संवाद से आगे बढ़ता है। जब संवाद की जगह शोर ले लेता है, तो बहस तमाशा बन जाती है और असहमति दुश्मनी। युवावर्ग इस पूरे परिदृश्य में सबसे ज्यादा उलझन में है। एक ओर रोजगार की अनिश्चितता, दूसरी ओर डिजिटल चमक का झूठा वादा। उसे बताया जा रहा है कि पहचान पाने का सबसे तेज रास्ता विवाद है। मेहनत, अध्ययन और धैर्य ये सब धीमे रास्ते हैं, जबकि दुनिया तुरंत नतीजे चाहती है। इस जल्दबाजी की कीमत युवा थकान, अकेलेपन और अंदरूनी खालीपन के रूप में चुका रहा है। अंततः सवाल युवाओं से ही है आप इस मेले का हिस्सा बनना चाहते हैं, या उस सन्नाटे के गवाह और वाहक जो सच के लिए जरूरी है? फैसला आज का है, असर आने वाले कल पर पड़ेगा। शोर आसान है, अर्थ गढ़ना कठिन। लेकिन इतिहास हमेशा उन लोगों को याद रखता है, जिन्होंने कठिन रास्ता चुना।

कभी जो नल का पानी नागरिकों के लिए बुनियादी अधिकार और राज्य की जिम्मेदारी माना जाता था, वही आज अविश्वास, असुरक्षा और असमानता का प्रतीक बनता जा रहा है।

बोतलबंद पानी का भारत

डॉ. सत्यवान सौरभ।।

भारत में बोतलबंद पानी पर बढ़ती निर्भरता केवल उपभोक्ता व्यवहार में आए बदलाव की कहानी नहीं है, बल्कि यह सार्वजनिक जल प्रशासन में व्याप्त गहरी और बहुस्तरीय प्रणालीगत समस्याओं की ओर भी स्पष्ट संकेत करती है। कभी जो नल का पानी नागरिकों के लिए बुनियादी अधिकार और राज्य की जिम्मेदारी माना जाता था, वही आज अविश्वास, असुरक्षा और असमानता का प्रतीक बनता जा रहा है। शहरों से लेकर कस्बों और यहां तक कि ग्रामीण इलाकों में भी लोग पीने के लिए प्लास्टिक की बोतलों पर निर्भर होते जा रहे हैं। यह प्रवृत्ति न केवल आर्थिक बोझ बढ़ाती है, बल्कि पर्यावरण, सामाजिक न्याय और लोकतांत्रिक शासन की अवधारणा पर भी गंभीर प्रश्न खड़े करती है।

आधुनिक भारत में जल संकट को अक्सर वर्षा की कमी, जलवायु परिवर्तन या बढ़ती जनसंख्या से जोड़कर देखा जाता है। हालांकि ये सभी कारक महत्वपूर्ण हैं, लेकिन बोतलबंद पानी की लोकप्रियता का मूल कारण इनसे कहीं अधिक गहरा है। असल समस्या यह है कि नागरिकों का भरोसा सार्वजनिक जल आपूर्ति प्रणालियों से लगातार टूटता जा रहा है। नलों से आने वाले पानी की गुणवत्ता पर संदेह, नियमित आपूर्ति का अभाव, और पारदर्शिता की कमी ने लोगों को वैकल्पिक स्रोतों की ओर धकेल दिया है। जब राज्य अपनी

बुनियादी जिम्मेदारी निभाने में असफल होता है, तब बाजार उस खाली स्थान को भर देता है अक्सर मुनाफे की शर्तों पर।

शहरी भारत में बोतलबंद पानी का उपयोग तेजी से बढ़ा है। महानगरों में तो यह लगभग जीवनशैली का हिस्सा बन चुका है। कार्यालयों, स्कूलों, अस्पतालों और यहां तक कि सरकारी दफ्तरों में भी बड़े जार और बोतलें आम दृश्य हैं। यह स्थिति विडंबनापूर्ण है, क्योंकि इन्हीं शहरों में सबसे विकसित जल अवसंरचना होने का दावा किया जाता है। यदि इतनी सुविधाओं के बावजूद नागरिक सुरक्षित नल का पानी नहीं पी सकते, तो यह प्रशासनिक विफलता का सीधा प्रमाण है। पाइपलाइन की जर्जर हालत, सीवेज और पेयजल लाइनों का आपस में मिलना, तथा नियमित परीक्षण की कमीकृये सभी समस्याएँ वर्षों से ज्ञात हैं, लेकिन समाधान आधे–अधूरे ही रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति अलग होते हुए भी उतनी ही चिंताजनक है। वहां बोतलबंद पानी का उपयोग अपेक्षाकृत कम है, लेकिन जैसे–जैसे ग्रामीण बाजारों तक निजी कंपनियों की पहुंच बढ़ रही है, यह निर्भरता वहां भी बढ़ने लगी है। कई इलाकों में भूजल में फ्लोराइड, आर्सेनिक या आयरन की अधिकता के कारण लोग स्थानीय जल स्रोतों से डरने लगे हैं। राज्य द्वारा उपलब्ध कराए गए सामुदायिक नल या हैंडपंप अक्सर या तो खराब रहते हैं या फिर उनका पानी पीने योग्य नहीं होता। ऐसे में जिनके पास आर्थिक क्षमता है, वे बोतलबंद पानी खरीद लेते हैं, जबकि गरीब तबके दूषित पानी पीने को मजबूर रहते हैं। यह स्थिति जल के क्षेत्र में गहरी असमानता को जन्म देती है।

बोतलबंद पानी उद्योग का विस्तार अपने आप में कई सवाल खड़े करता है। एक ओर यह उद्योग "शुद्धता" और "सुरक्षा" का वादा करता है, वहीं दूसरी ओर इसके नियमन में गंभीर खामियां हैं। कई बार यह पाया गया है कि बाजार में उपलब्ध बोतलबंद पानी भी गुणवत्ता मानकों पर खरा नहीं उतरता। इसके बावजूद उपभोक्ता इसे नल के पानी से अधिक सुरक्षित मानते हैं। यह धारणा स्वयं में सार्वजनिक जल संस्थानों की साख पर सवाल है। यदि राज्य द्वारा प्रमाणित और नियंत्रित जल आपूर्ति प्रणाली पर नागरिक भरोसा नहीं करते, तो यह लोकतांत्रिक शासन की विश्वसनीयता के लिए भी खतरे की घंटी है।

अष्टयोग-5063

5		3		7		4
	34	6	33	1	33	
	5			6		2
1	26	2	29	4	33	
4			6		7	3
	30	4	37		33	6
2			5	3		

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों ओर के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5062 का हल

3	5	4	6	7	1	2
2	33	1	34	6	30	5
5	6	7	1	2	3	4
4	42	2	25	1	22	6
7	6	5	4	3	2	1
6	36	6	34	4	31	3
1	2	3	4	5	6	7

Jagrutidour.com, Bangalore

अपना ब्लॉग

अधिक समय, अधिक ध्यान

मोहन। अक्सर यह मान लिया जाता है कि प्लेटफॉर्म तटस्थ हैं, लेकिन सच्चाई यह है कि एल्गोरिद्म नैतिक नहीं होते। वे केवल लक्ष्य देखते हैं, और लक्ष्य है अधिक समय, अधिक ध्यान। इसलिए वे वही दिखाते हैं जो हमें बाँधे रखे, चाहे वह नफरत हो, झूठ हो या खोखला मनोरंजन। ऐसे में जिम्मेदारी केवल प्लेटफॉर्म की नहीं, हमारी भी है। हम जो देखते हैं, वही बढ़ता है। हम जिसे साझा करते हैं, वही फैलता है। इस सर्कस से बाहर निकलने का रास्ता कोई त्वरित समाधान नहीं है। यह एक धीमी लेकिन जरूरी क्रांति है। डिजिटल साक्षरता, गहरी सामग्री को सम्मान, ईमानदार रचनाकारों का समर्थन और अपने देखने–साझा करने के चुनावों के प्रति सजगता कृ यही वह रास्ता है जिससे दिशा बदली जा सकती है। असहमति को शालीनता के साथ जगह देना और तर्क को ट्रोलिंग पर तरजीह देना भी इसी प्रक्रिया का हिस्सा है। डिजिटल संसार का सर्कस बन जाना महज एक टिप्पणी नहीं, बल्कि चेतावनी है। सर्कस मनोरंजन देता है, दिशा नहीं। समाज को दिशा चाहिए ज्ञान से, विवेक से और नैतिक साहस से।

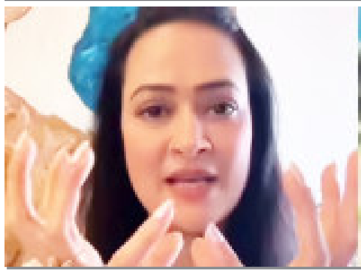

जसवीर कौर के साथ सीआईडी के सेट पर हुआ काला जादू!

मशहूर टीवी एक्ट्रेस जसवीर कौर, स्टार प्लस के हिट सीरियल अनुपमा में देविका के किरदार से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर रही हैं। स्क्रीन पर मिली सक्सेस के अलावा, जसवीर ने हाल ही में ब्लैक मैजिक से लेकर एक चौंकाने वाला खुलासा किया है, जिसके बारे में उन्हें लगता है कि इसी कारण से उन्होंने सीरियल को बंद कर दिया था। सुभोजित घोष के साथ एक खास बातचीत में उन्होंने इस घटना पर बात की, जिससे उनके फैंस चौंक गए। उन्होंने दावा किया कि उनपर काला जादू हुआ है और कहा, एक घटना घटी। मेरे बाल काटकर जमीन में गाड़ दिए गए। मुझे नहीं पता, पर्दे के पीछे कुछ बड़ा बदलाव हुआ था। मैं सोच रही थी, ये कैसे हुआ? मेरी नींद बहुत ही सुकून भरी होती है, इसलिए किसी का यहां तक पहुंचना मुमकिन नहीं है। मेरे बाल वहीं काटे गए थे। अगले दिन जब मैंने अपने बाल बांधे, तो एक जगह से बाल गायब थे सिर्फ कुछ लटें नहीं, बल्कि बालों का एक पूरा गुच्छा गायब था। अगर मैं आपको दिखाऊं, तो पता चलेगा कि वह गुच्छा कटा हुआ था और लटका हुआ था। मैंने किसी से इसके बारे में नहीं पूछा। मेरा भाई काम पर गया हुआ था, और एक महिला ने उसे बताया कि मेरी बहन के बालों का इस्तेमाल किसी रस्म के लिए किया गया था। मुझे जरा भी अंदाजा नहीं था। सीआईडी में अपने व्यस्त शेड्यूल के बारे में बताते हुए जसवीर ने आगे कहा, लगभग दो साल बीत चुके थे। हर शुक्रवार, हर शनिवार, हम लगातार शूटिंग करते थे। रोजाना, लगातार 31 दिनों तक। कभी-कभी मैं कहती थी, 'प्लीज मुझे कल एक दिन की छुट्टी दे दीजिए।' अचानक मुझे ऑफिस में बताया गया कि मुझे शो छोड़ना होगा। फिर भी, उन्होंने दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ते हुए नए काम की तलाश जारी रखी।

धुरंधर 2 का नया पावरफुल ट्रैक आरी आरी ने दो दशक पहले भी मचाई थी धूम

आदित्य धर की अपकमिंग फिल्म धुरंधर 2 पर लोगों की पैनी नजर है। धुरंधर के बाद से ही लोग इस फिल्म के अगले पार्ट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म रिलीज से करीब 8 दिन पहले मेकर्स ने धुरंधरः द रिवेंज का नया पावरफुल ट्रैक जारी किया है जिसका टाइटल आरी आरी है। इस गाने के रिलीज होते ही जैसे धूम सी मच गई है। धुरंधर की बात करें तो इसमें 'न तो कारवां की तलाश है' गाने का इस्तेमाल किया गया जो जबरदस्त हिट रहा। ये गाना लोगों के दिल से होते हुए दिमाग में भी जा बैठा है। अब करीब 1 घंटे पहले रिलीज हुए इस गामे को अब तक 3 लाख से अधिक व्यूज मिल चुके हैं। यहां बता दें कि ये एक पुराने हिट पंजाबी गाने का मॉडर्न अवतार है। बताया जा रहा है कि इस गाने को डेनिश-इंडियन म्यूजिक जोड़ी नवतेज सिंह रेहल और थॉमस सारडॉर्फ (डेनमार्क से) बॉम्बे रॉकर्स ने तैयार किया था।

अहान पांडे और अनीत पड्डा का नया प्रोजेक्ट, पहली झलक में ही उछले फैंस

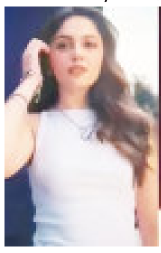
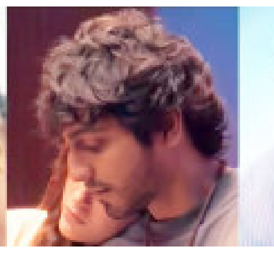
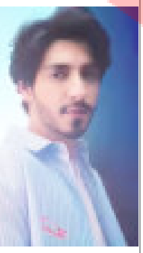

सैयारा की सफलता ने इंडस्ट्री के दो उभरते स्टार्स, अहान पांडे और अनीत पड्डा को फिर से सुर्खियों में ला दिया। लोगों की जबरदस्त प्रतिक्रिया और स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर बढ़ती लोकप्रियता ने इन दोनों एक्टर्स को बॉलीवुड की अगली पीढ़ी के उभरते चेहरों में से एक बना दिया। अब, दोनों ने एक और प्रोजेक्ट के साथ काम करने का हिंट दिया है। लेकिन शायद पूरी बात जानने के बाद फैंस का दिल टूट जाए। अहान और अनीत ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट में घोषणा की, इस गर्मी में कहानी में एक नया मोड़ आएगा। एक नया चैप्टर शुरू होगा। ट्रेलर जल्द आ रहा है। घोषणा वीडियो में अहान और अनीत हल्के-फुल्के मजे करते, गर्मी के कपड़ों में पोज देते नजर आए, जिससे हिंट मिलता है कि वे किसी ब्रांड के साथ सहयोग कर सकते हैं। फिर भी, उनके फैंस उन्हें दोबारा साथ काम करते देखने के लिए बेहद एक्साइटेड हैं। एक यूजर ने लिखा- बहुत-बहुत-बहुत खुश हूं। दूसरे ने कहा- ओह्हह भाई, इंतजार नहीं कर सकती। एक और ने कहा- सबसे बड़ी घोषणा! वाह। किसी और ने कहा- मेरे पसंदीदा लोग साथ में काम कर रहे हैं! एक कमेंट में लिखा था- चीख रही हूं। किसी और ने लिखा- बहुत एक्साइटेड हूं। एक फैन ने लिखा- ओ भगवान 13 मार्च का इंतजार नहीं कर सकती। एक फैन ने कहा- पूरे समाज में खुशी का माहौल।

महाकुंभ वाली मोनालिसा के पति का टीवी से नाता

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

महाकुंभ मेले के दौरान सुर्खियों में आने वाली मोनालिसा भोसले अब अपने निजी जीवन को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने हाल ही में केरल के एक मंदिर में एक्टर और मॉडल फरमान खान से शादी की। दोनों की शादी चर्चा का विषय बनी हुई है क्योंकि खबरों के मुताबिक उनके परिवार उनके रिश्ते के खिलाफ थे। शादी के बाद उन्होंने सुरक्षा के लिए केरल पुलिस से भी संपर्क किया। शादी की तस्वीरें और वीडियो ऑनलाइन खूब शेयर किए गए हैं। तस्वीरों में मोनालिसा लाल साड़ी और सिंदूर लगाए नजर आ रही हैं, वहीं फरमान सफेद धोती और कुर्ते में दिख रहे हैं। फरमान ने मोनालिसा को लेकर कह दिया है कि वो भले ही उनसे 6 महीने पहले मिले हों, लेकिन उन्हें ये प्यार 60 साल का लग रहा है।

कौन हैं मोनालिसा के पति फरमान खान?

फरमान खान महाराष्ट्र के एक एक्टर और मॉडल हैं। उन्होंने मॉडलिंग प्रोजेक्ट्स में काम किया है और क्षेत्रीय सिनेमा से भी जुड़े रहे हैं। खबरों के मुताबिक, उनकी मुलाकात मोनालिसा से करीब डेढ़ साल पहले फेसबुक के जरिए हुई थी। एक साधारण ऑनलाइन बातचीत से शुरू हुआ यह रिश्ता धीरे-धीरे गहरी दोस्ती में बदल गया और बाद में लव अफेयर में परिवर्तित हो गया।

परिवार को मंजूर नहीं रिश्ता

हालांकि, उनके रिश्ते को उनके परिवारों से कड़ा विरोध झेलना पड़ा। इसका मुख्य कारण यह था कि दोनों अलग-अलग धर्मों से थे। खबरों के अनुसार, मोनालिसा के पिता इस रिश्ते को मंजूर नहीं करते थे और उन्होंने तो किसी और से उनकी शादी कराने की कोशिश भी की थी। दबाव के बावजूद, दोनों ने साथ रहने का फैसला किया और अपना रिश्ता जारी रखा।

केरल जाकर कर ली शादी

घर पर हालात बिगड़ने के बाद, मोनालिसा और फरमान कथित तौर पर केरल के तिरुवनंतपुरम चले गए। वहां उन्होंने सुरक्षा के लिए पुलिस से संपर्क किया। इसके कुछ ही समय बाद, पूवर के अरुमानूर नैनार मंदिर में एक सादे समारोह में उनकी शादी भी हो गई। खबरों के अनुसार, कुछ स्थानीय नेता और सार्वजनिक हस्तियां भी इस समारोह में शामिल हुईं और दोनों को आशीर्वाद दिया।

मोनालिसा ने ही फरमान को किया प्रपोज

फरमान ने बाद में बताया कि मोनालिसा ने ही पहले उन्हें प्रपोज किया था। उन्होंने कहा कि वह तुरंत सहमत नहीं हुए और शुरू में उन्होंने प्रपोजल ठुकरा दिया था। लेकिन समय के साथ, उन्होंने मोनालिसा की भावनाओं को स्वीकार कर लिया और दोनों ने डेटिंग शुरू कर दी, जिसके बाद अंत में शादी करने का फैसला किया। अपनी शादी से पहले ही मोनालिसा प्रयागराज में महाकुंभ मेले के दौरान एक घटना के कारण चर्चा में आ गई थीं। मेले में रुद्राक्ष की माला बेचते समय लोगों की नजर उस पर पड़ी।

कौन हैं मोनालिसा?

ऑनलाइन कई लोगों को उनकी भूरी आंखें बहुत पसंद आईं, जो देखते ही देखते चर्चा का विषय बन गईं। इस अचानक मिली प्रसिद्धि ने उन्हें रातोंरात इंटरनेट पर फेमस बना दिया। तब से मोनालिसा लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। ऐसी भी खबरें थीं कि शादी से पहले वह एक फिल्म की शूटिंग के लिए केरल गई थीं।

मुसलमानों से बेहतर हिंदू हैं, वो 1 शादी करते हैं

दिग्गज एक्ट्रेस मुमताज ने खुद मुस्लिम होकर हिंदू आदमी से शादी की थी और उनका कहना है कि वो भगवान में भी बहुत विश्वास करती हैं। साथ ही, ये भी कहा कि मुस्लिमों में बहुविवाह का प्रचलन बहुत बुरा है और हिंदू शादियां ज्यादा बेहतर हैं।

दिग्गज एक्ट्रेस मुमताज का जन्म मुमताज असकारी के नाम से हुआ था। वो 1970 के दशक में तेरे मेरे सपने और रोटी जैसी फिल्मों के साथ बॉलीवुड की सबसे सफल हीरोइनों में से एक थीं। 1974 में, अपने सफल करियर के बीच, उन्होंने बिजनेसमैन मयूर माधवानी से शादी कर ली और फिल्मों में काम करना छोड़ दिया। अपनी आध्यात्मिक मान्यताओं के बारे में बात करते हुए, मुमताज ने कहा कि जन्म से मुस्लिम होने के बावजूद, वह हिंदू देवी-देवताओं में गहरी आस्था रखती हैं।

शिव और गणेश को पूजती हूं

मुमताज ने एक इंटरव्यू में कहा, मेरे प्रिय भगवान शंकर और भगवान कृष्ण हैं। मैं मुस्लिम होते हुए भी उनमें गहरी आस्था रखती हूं। उन्होंने आगे बताया कि घर पर उनकी दिनचर्या में धार्मिक अनुष्ठान शामिल हैं और कहा, जब भी मैं घर की सीढ़ियों से नीचे उतरती हूं, तो वहां भगवान गणेश की मूर्ति होती है, जो मेरे प्रिय हैं, और मैं उनके चरणों में प्रणाम करती हूं।

दोनों बहनों ने किया अंतरधार्मिक विवाह

इसी बातचीत के दौरान, मुमताज ने अपने अंतरधार्मिक विवाह पर भी बात की और कहा कि उन्होंने और उनकी बहन दोनों ने हिंदू मर्दों से शादी की है और वे अपने रिश्तों में बहुत खुश हैं। मुमताज ने कहा, मैं दोनों धर्मों में विश्वास रखती हूं। मैंने एक हिंदू से शादी की है, और मेरी बहन ने भी एक हिंदू से। हम दोनों खुश हैं। मेरे पति मेरा बहुत ख्याल रखते हैं।

मुस्लिम पुरुषों के बहुत बार शादी करने पर बोलीं

उन्होंने कुछ मुस्लिम पुरुषों में प्रचलित बहुविवाह प्रथा के खिलाफ भी बात की और कहा कि वो इससे पूरी तरह असहमत हैं। उन्होंने कहा, मैं हमेशा कहती हूं कि मैंने एक हिंदू से शादी की है, मेरी बहन ने भी, और हम बहुत खुश हैं। मुसलमानों में, कई पुरुष तीन या चार बार शादी करके अपनी पत्नियों को छोड़ देते हैं। इससे मुसलमान हिंदुओं से बेहतर कैसे हो जाते हैं?

हिंदू, मुसलमान से बेहतर हैं

उन्होंने आगे कहा, इस लिहाज से, हिंदू बेहतर लगते हैं, वे आमतौर पर एक ही बार शादी करते हैं। कभी-कभी वे दो बार शादी कर सकते हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि वे आसानी से एक को छोड़कर दूसरे के पास चले जाएं। यह गलत है।

कम उम्र में क्यों होने लगी हैं किडनी की बीमारियां

किडनी हमारे शरीर का एक महत्वपूर्ण अंग है। इसका फिल्टर सिस्टम रक्त में से विषाक्त पदार्थों, अतिरिक्त पानी और अनुपयोगी चीजों को यूरिन के रूप में बाहर निकालती है। इसके साथ ही किडनी शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स, एसिड बेस, ब्लड प्रेशर और हड्डियों को मजबूत बनाए रखने वाले मिनरल्स का बैलेंस बनाए रखती है।

किडनी की बीमारियों की वजहें भारत में किडनी की बीमारियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। आजकल युवा वर्ग भी किडनी के रोगों से तेजी से प्रभावित हो रहा है। इसका मुख्य कारण डायबिटीज, मोटापा और हाई ब्लड प्रेशर जैसी लाइफस्टाइल से जुड़ी समस्याएं हैं। इसके अलावा किडनी स्टोन, पेन किलर की दवाइयों का अधिक उपयोग और कुछ एंटासिड दवाइयां भी किडनी को नुकसान पहुंचा सकती हैं।

किडनी रोग के शुरुआती लक्षण

किडनी रोग के शुरुआती लक्षणों को पहचान कर इलाज शुरू किया जा सकता है। किडनी रोग के शुरुआती लक्षण इस तरह नजर आते हैं जैसे पेशाब में झाग या बुलबुले आना, पेशाब कम होना या रात में बार–बार पेशाब आना किडनी रोग के शुरुआती लक्षण हो सकते हैं। सुबह के समय आंखों के आसपास या हाथ–पैरों में सूजन आना किडनी रोग के शुरुआती लक्षण हो सकते हैं। जब किडनी की कार्यक्षमता कम होने लगती है, तो मतली और उल्टी भी हो सकती है। इन लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

किडनी रोग की रोकथाम के उपाय

किडनी रोग के अंतिम चरण में इलाज के विकल्प सीमित होते हैं इसलिए किडनी रोग की रोकथाम बहुत जरूरी है। किडनी रोग की रोकथाम के लिए लाइफस्टाइल से जुड़ी इन 3 बातों का ध्यान रखना जरूरी है जैसे किडनी की बीमारियों से बचने के लिए डाइट में कार्बोहाइड्रेट और नमक का सेवन कम करना चाहिए, ताकि शुगर लेवल और ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहें। यदि किडनी की बीमारी हो जाए, तो प्रोटीन का सेवन कम करना चाहिए और डाइट में फाइबर की मात्रा बढ़ानी चाहिए। पानी की मात्रा डॉक्टर की सलाह या पेशाब की मात्रा के अनुसार लेनी चाहिए।

फिजिकल एक्टिविटीः हेल्दी और फिट रहने के लिए फिजिकली एक्टिव रहना बहुत जरूरी है। किडनी की बीमारियों से बचने के लिए हफ्ते में कम से कम 5 दिन, 20–30 मिनट तक एक्सरसाइज करें या तेज चलें। इससे ब्लड प्रेशर, शुगर, लिपिड और मोटापा नियंत्रित रहते हैं।

दवाइयों का सही उपयोगः कुछ पेन किलर दवाइयां और एंटासिड जैसी दवाइयां किडनी को नुकसान पहुंचा सकती हैं, इसलिए इनके सेवन से परहेज करना चाहिए।

किडनी डैमेज को कैसे रिकवर किया जाता है?

किडनी की बीमारी जब अंतिम अवस्था में पहुंच जाती है, तब इसके दो मुख्य उपचार होते हैं जैसे डायलिसिस यह एक सहायक उपचार है जिसमें मशीन के माध्यम से खून से विषैले पदार्थ और अतिरिक्त पानी निकाला जाता है। इसके लिए आमतौर पर हफ्ते में 2–3 बार हॉस्पिटल जाना पड़ता है। किडनी ट्रांसप्लांट इसमें एक स्वस्थ किडनी को सर्जरी द्वारा मरीज के शरीर में लगाया जाता है। इसके दो विकल्प हो सकते हैं– लिव रिलेटेड यानी परिवार के किसी स्वस्थ सदस्य द्वारा रोगी को किडनी दान करना। दूसरा विकल्प है कैडावेरिक यानी किसी ब्रेन–डेड व्यक्ति (जैसे दुर्घटना के शिकार) से कानूनी प्रक्रिया के बाद किडनी प्राप्त करना।

दिल के रोगियों के पैरों में सूजन क्यों होती है, जानें इसके कारण और बचाव के उपाय

हार्ट जब ब्लड को ठीक से पंप नहीं कर पाता, तो नसों में दबाव बढ़ता है और फ्लूइड पैरों के टखनों में जमा हो जाता है, जिससे दिल के रोगियों के पैरों में सूजन होने लगती है। यह एक गंभीर स्थिति हो सकती है और हार्ट फेलियर का संकेत हो सकता है। इस स्थिति में सांस फूलना, थकान जैसे लक्षण भी दिखाई देते हैं। दिल के रोगियों के पैरों में सूजन के निम्नलिखित 6 कारण हो सकते हैं जैसे हार्ट फेलियर (सीएचएफ)– दिल के रोगियों के पैरों में सूजन का यह सबसे आम कारण है, जिसमें दाहिनी ओर की विफलता के कारण पैरों में फ्लूइड जमा हो जाता है। वाल्वुलर हार्ट डिजीज यह एक ऐसी स्थिति है, जिसमें हृदय के चार वाल्वों– मिट्रल, एओर्टिक, ट्राइकस्पिड और पल्मोनरी में से एक या एक से अधिक वाल्व ठीक से काम नहीं करते। इससे हार्ट में ब्लड फ्लो में रुकावट आती है और शिराओं का दबाव बढ़ जाता है। पल्मोनरी हाइपरटेंशन यह एक गंभीर स्थिति है और लगभग 70: महिलाओं को प्रभावित करती है। इसमें हार्ट के दाहिने हिस्से पर दबाव पड़ता है, जिससे पैरों में सूजन की समस्या शुरू हो जाती है। पेरिपार्टम कार्डियोमायोपैथी यह एक गंभीर हार्ट फेलियर की स्थिति है जो अधिकतर गर्भावस्था के अंतिम महीने में विकसित होती है। इसमें सांस फूलना, थकान और पैरों में सूजन जैसे लक्षण हो सकते हैं। इसे अक्सर गर्भावस्था के बाद की थकान समझकर अनदेखा कर दिया जाता है। डीप वेन थ्रोम्बोसिस एक गंभीर स्थिति है, जिसमें पैरों की नसों में थक्के जमने से सूजन हो जाती है। यह कार्डियक इमरजेंसी का संकेत है, इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

उबकाई–डकार, अफारा होना नहीं है सही, कैसे मिलेगा आराम?

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

आयुर्वेद में अपच को अजीर्ण कहा जाता है, जो अग्नि में गड़बड़ी से विकसित होती है। खाने को पोषण में बदलने वाली डायजेस्टिव और मेटाबॉलिक फायर को अग्नि कहा जाता है। जब यह अग्नि कमजोर या अनियमित हो जाती है तो आम नामक एक टॉक्सिक बाय–प्रोडक्ट बनता है और यह शरीर में जमा होने के बाद शारीरिक कार्यों में बाधा पैदा करता है।

अपच के लक्षण

पेट फूलना (ब्लोटिंग), पेट में तकलीफ होना, जी मिचलाना, उबकाई–खट्टी डकार आना, खाने के बाद भारीपन होना अपच के आम लक्षण हैं। लेकिन आयुर्वेद में अपच के इसके अलावा भी कई सारे लक्षण बताए गए हैं, जो शरीर के प्रमुख दोष पर आधारित होते हैं। अगर इन लक्षणों को लंबे समय तक नजरअंदाज किया जाए तो क्रॉनिक कब्ज, एसिड रिफ्लक्स या फंक्शनल बॉवल डिसऑर्डर विकसित हो सकते हैं।

अपच से छुटकारा देने वाले उपाय

अपच से छुटकारा पाने के लिए आयुर्वेद उन प्राकृतिक उपायों को आजमाने की सलाह देता है, जो अग्नि बढ़ाने, आम घटाने और पाचन तंत्र का कार्य सुधारने में मदद करते हैं।

अदरकः आयुर्वेद में अदरक को डायजेस्टिव सिस्टम के लिए काफी बढ़िया माना जाता है। सूखे अदरक (सोंठ) से कमजोर पाचन को बढ़ावा मिलता है और डायजेस्टिव एंजाइम का उत्पादन भी बढ़ता है। यह गैस्ट्रिक मोटिलिटी को सुधारकर ब्लोटिंग और भारीपन को कम करता है और वात व कफ को संतुलित करने में मदद करता है। खाने के बाद अदरक का गुनगुना काढ़ा पीने से खाने का ब्रेकडाउन और डायजेशन तेज होता है। इसके अलावा, खाने से पहले सादे नमक के साथ आधा इंच ताजा अदरक खाने से डायजेस्टिव फायर तेज होती है।

अजवाइनः पेट की गैस घटाकर तकलीफ कम करने के लिए अजवाइन काफी बढ़िया मानी जाती है। इसमें गैस्ट्रिक सीक्रेशन बढ़ाने वाले नेचुरल कंपाउंड होते हैं और यह गट मोटिलिटी भी रेगुलेट करती है। खासतौर से, अपच के कारण होने वाली गैस और पेट की तकलीफ में अजवाइन काफी असरदार मानी जाती है।

हींगः डायजेस्टिव ट्रैक्ट में वात संतुलित करने के लिए हींग का उपयोग काफी फायदेमंद है। इसमें इंफ्लामेशन, अफारा और पेट दर्द कम करने वाले नेचुरल कंपाउंड होते हैं। आप गुनगुने पानी में हल्की सी चुटकी हींग डालकर सेवन कर सकते हैं या फिर खाना बनाने के दौरान इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके अलावा, अपच होने पर नाभि के आसपास पानी और हींग का पेस्ट लगाने से भी फायदा मिलता है।

त्रिफला चूर्णः त्रिफला एक आयुर्वेदिक चूर्ण है, जिसे सूखा आंवला, हरीतकी (हरड़) और बिभितकी (बहेड़ा) को बराबर मात्रा में मिलाकर बनाया जाता है। त्रिफला से तीनों दोषों को संतुलित करके बॉवल मूवमेंट को रेगुलर करने और पेट की सफाई को बेहतर बनाने में मदद मिलती है। यह पोषण के इस्तेमाल को भी बेहतर बनाता है और पेट के हेल्दी बैक्टीरिया को सपोर्ट करता है।

सौंफः भोजन के बाद सौंफ चबाने से डायजेस्टिव मसल्स को रिलैक्स करने और ब्लोटिंग घटाने में मदद मिलती है। अगर आपको अपच के साथ जलन या एसिडिटी हो रही है तो ऐसी स्थिति में सौंफ काफी फायदेमंद साबित हो सकती है। यह पाचन को सुधारने और डायजेस्टिव ट्रैक्ट को शांत करने में मदद करती है।

जीराः पाचन तंत्र के लिए जीरा भी काफी स्वास्थ्यवर्धक है। यह पाचक अग्नि को बढ़ावा देता है, आम को तोड़ने में मदद करता है और गट मोटिलिटी सुधारता है। जीरे को पानी में उबालकर गुनगुना ही पीने से डायजेशन तेज होता है और भोजन लेने के बाद पेट में होने वाला भारीपन भी कम होता है।

आंवलाः आंवला के अंदर ठंडक देने और रिजुवेनेट करने वाले गुण होते हैं। यह पाचन को बेहतर बनाकर अतिरिक्त पित्त को संतुलित करता है और एसिडिटी घटाता है। इसके अंदर एंटीऑक्सीडेंट्स की भरमार होती है।

कहीं आप भी तो अनजाने में नहीं खा रहे डिहाइड्रेट करने वाले फूड्स

मार्च की शुरुआत के साथ ही गर्मी के मौसम ने दस्तक दे दी है। गर्मी के मौसम में शरीर का टेंपरेचर बढ़ने लगता है और पसीने के रूप में शरीर से पानी बाहर निकलता है। ऐसे में शरीर को हाइड्रेट रखना जरूरी हो जाता है, ताकि थकान, चक्कर, लो बीपी या हीट स्ट्रोक जैसी समस्याओं से बचा जा सके। हालांकि, इस दौरान बहुत से लोग अनजाने में ऐसे फूड्स डाइट में शामिल कर लेते हैं, जो शरीर में पानी की मात्रा को और घटा देते हैं। इन फूड्स का अधिक सेवन शरीर को डिहाइड्रेट कर सकता है, जिससे सेहत पर बुरा असर पड़ता है। आइए जानते हैं ऐसे ही कुछ फूड्स के बारे में, जिन्हें गर्मियों में सीमित मात्रा में और समझदारी से खाना चाहिए। कैफीन ड्यूरेटिक होता है, जो बार–बार यूरिनेशन का कारण बनता है। इससे शरीर का पानी तेजी से निकलता है और डिहाइड्रेशन की स्थिति बनती है। शराब शरीर से इलेक्ट्रोलाइट्स और पानी दोनों को तेजी से बाहर निकालती है। गर्मी में इसका असर और भी तेज हो जाता है। गर्मी में तले हुए खाने को पचाना मुश्किल होता है। इससे शरीर पर एक्स्ट्रा बोझ पड़ता है।

दूषित पेयजल से होने वाले जोखिमों को कम करने में रिवर्स ऑस्मोसिस की भूमिका

समय के साथ, ऐसे पानी के सेवन से पेट के संक्रमण, किडनी में खिंचाव और लंबे समय तक चलने वाली स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है। यहीं पर रिवर्स ऑस्मोसिस पीने के पानी की सुरक्षा को बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभाता है। रिवर्स ऑस्मोसिस एक शुद्धिकरण प्रक्रिया है, जिसमें अर्ध–पारगम्य झिल्ली का उपयोग करके पानी से घुली हुई अशुद्धियों को हटाया जाता है। दबाव के साथपानी के अणु आरओ झिल्ली से होकर निकल जाते हैं, जबकि भारी धातुएं, अतिरिक्त लवण, नाइट्रेट्स और हानिकारक रसायन रुक जाते हैं और बाहर निकाल दिए जाते हैं। साधारण फिल्टरिंग अक्सर सिर्फ दिखाई देने वाले कण, या गंध पैदा करने वाले तत्वों को हटाती है। इसके विपरीत, रिवर्स ऑस्मोसिस वाटर प्यूरिफायर उन अशुद्धियों को भी दूर करता है जो आंखों से दिखाई नहीं देतीं लेकिन स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह हो सकती हैं। यही कारण है कि अधिक टोटल डिसॉल्व्ड सॉलिड्स वाले क्षेत्रों में आरओ तकनीक उपयोगी मानी जाती है। भारतीय पेयजल मानकों के अनुसार, घुले हुए ठोस पदार्थों, फ्लोराइड, नाइट्रेट्स और आर्सेनिक जैसी भारी धातुओं की अधिक मात्रा लंबे समय तक पानी का सेवन को असुरक्षित बना सकती है।

Page3news

विश्व कप खेले कुलदीप

कुलदीप यादव हाल ही में टी20 विश्व कप 2026 में खेलते नजर आए थे। पाकिस्तान के खिलाफ ग्रुप स्टेज के मैच में उन्हें प्लेइंग 11 में शामिल किया गया था। इस मैच में उन्होंने 14 रन देकर 1 विकेट चटकाया था। कुलदीप के करियर की बात करें तो उन्होंने 17 टेस्ट में 76 विकेट चटकाए हैं। 120 वनडे में कुलदीप के नाम 194 विकेट हैं। साथ ही 54 टी20 इंटरनेशनल मुकाबलों में चाइनामैन गेंदबाज ने 95 शिकार किए हैं।

कुलदीप यादव करने जा रहे नई पारी का आगाज

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। टी20 विश्व कप 2026 में जीत के बाद अब भारतीय क्रिकेटर कुलदीप यादव नई पारी का आगाज करने जा रहे हैं। चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव पहाड़ों की रानी मसूरी पहुंचे। 14 मार्च को वह अपने बचपन की दोस्त वंशिका चड्ढा के साथ सात फेरे लेंगे। लाइब्रेरी बाजार क्षेत्र स्थित होटल सेवॉय में शनिवार को शादी की रस्में होनी हैं। कुलदीप यादव और वंशिका की सगाई पिछले साल 4 जून को हुई थी। नवंबर में दोनों शादी करने वाले थे। हालांकि, विश्व कप के कारण शादी को स्थगित करना पड़ा था। रिसेप्शन 17 मार्च को लखनऊ एक होटल में होगा। इसमें क्रिकेटर, राजनेता, बालीवुड और बीसीसीआई से जुड़े लोग शिरकत कर सकते हैं। वंशिका चड्ढा क्रिकेटर कुलदीप यादव की बचपन की दोस्त हैं। दोनों कानपुर के निवासी है और उनके घर की दूसरी 3 किमी है। कुलदीप जहां लाल बंगलो इलाके के रहने वाले हैं, वहीं वंशिका श्याम नगर में रहती हैं। दोनों की दोस्ती अब 7 जन्मों के बंधन में बंधने जा रही है। वंशिका ने मेलबर्न से पढ़ाई की है। वह भारतीय जीवन बीमा निगम में काम करती हैं। खबरों के अनुसार, वे प्रशासनिक या प्रबंधकीय पद पर हैं। वंशिका यादव लाइमलाइट से दूर रही हैं।

भारत खेलेगा अधिक वनडे मैच, बीसीसीआई ने स्वीकार की मांग

विराट कोहली और रोहित शर्मा के लिए खुशखबरी

क्रिकेट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारतीय टीम के दो दिग्गज खिलाड़ी रोहित शर्मा और विराट कोहली अब सिर्फ एक फॉर्मेट में खेलते हुए दिखाई देते हैं। रोहित और विराट दोनों ही वनडे में खेलते हैं और ऐसे में फैंस को बहुत कम समय ही उन्हें एक्शन में देखने का मौका मिलता है। हालांकि, अब फैंस के लिए बड़ी खुशखबरी सामने आ रही है। भारत को आने वाले समय में कई देशों का दौरा करना है और कई बोर्ड ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड से वनडे मैच बढ़ाने की मांग की है।

टीम इंडिया ने आखिरी बार टी20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज खेली थी। इसके बाद अब वे अफगानिस्तान की मेजबानी करेंगे, जहां एक टेस्ट मैच और 3 वनडे मैच खेले जाएंगे। इस सीरीज के साथ ही टीम इंडिया की वर्ल्ड कप 2027 की तैयारियां भी शुरू होंगी। ऐसे में कई क्रिकेट बोर्ड ने वनडे मैचों की

संख्या बढ़ाने की मांग की है।

आईपीएल 2026 की समाप्ति के बाद भारत को व्यस्त कार्यक्रम का सामना करना पड़ सकता है। इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के मुताबिक विश्व कप 2027 नजदीक आने की वजह से पिछले दो महीनों में कई क्रिकेट बोर्डों ने बीसीसीआई से वनडे मैचों की संख्या बढ़ाने की मांग की है। बोर्ड की इस मांग को बीसीसीआई ने स्वीकार लिया है। टीम इंडिया अब तय शेड्यूल से अधिक वनडे मैच खेलती हुई दिखाई देने वाली है। विश्व कप की सिर्फ तैयारी ही नहीं बल्कि बोर्ड रोहित और विराट के होने की वजह से भी वनडे मैचों को बढ़ाने के लिए जोर दे रहे हैं।

भारत को इसी साल श्रीलंका का भी दौरा करना है, जिसका शेड्यूल सामने नहीं आया है। हालांकि, इस दौरे पर 3 मैचों की वनडे सीरीज खेली जानी है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि श्रीलंका ने भी बीसीसीआई से संपर्क किया है कि इसमें मैचों की संख्या को बढ़ाया जाए। इसके पीछे की सबसे बड़ी वजह रोहित शर्मा और विराट कोहली को बताया गया है। बोर्ड को उम्मीद है कि इन दोनों की वजह से दर्शक अधिक संख्या में आएंगे, जिससे उन्हें फायदा मिलेगा।

भारतीय टीम को इंग्लैंड का भी दौरा करना है, जहां पर 3 वनडे मैच और 5 टी20 मैच खेले जाने हैं। इस दौरे के दौरान भारतीय टीम आयरलैंड के खिलाफ भी सीरीज खेल सकती है। आयरलैंड के खिलाफ या तो 3 मैचों की टी20 या फिर वनडे सीरीज खेली जा सकती है। हालांकि, ये तय नहीं हुआ है कि ये सीरीज आयरलैंड में खेली जाएगी या फिर इंग्लैंड में किसी मैदान पर खेली जाएगी। साउथैम्पटन का नाम इसके लिए आगे आया है लेकिन अब तक कुछ कंफर्म नहीं है।

द हंड्रेड के ऑक्शन में पाकिस्तानी अबरार अहमद को क्यों खरीदा?

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। इंग्लैंड क्रिकेट लीग द हंड्रेड की नीलामी में पाकिस्तानी खिलाड़ी अबरार अहमद को सनराइजर्स फ्रेंचाइजी की सनराइजर्स लीड्स ने खरीदा। इसके बाद फ्रेंचाइजी की काफी अलोचना हो रही है। फ्रेंचाइजी ने उन्हें 2,55,000 अमेरिकी डॉलर में खरीदा। सनराइजर्स फ्रेंचाइजी को अपने इस फैसले के लिए भारत में क्रिकेट फैंस की नाराजगी का सामना करना पड़ रहा है। फैंस के मुताबिक टीम की मालिक काव्या मारन का पाकिस्तानी खिलाड़ी को खरीदने का फैसला देश की भावनाओं के खिलाफ है।

न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान और दिग्गज स्पिनर रहे डेनियल विटोरी सनराइजर्स लीड्स के हेड कोच हैं। वह भी ऑक्शन में मौजूद थे। उन्होंने बताया कि

- काव्या मारन भी ऑक्शन टेबल पर थीं मौजूद
- अबरार हमारी प्राथमिकता थे: डेनियल विटोरी

क्यों सनराइजर्स लीड्स ने अबरार अहमद को खरीदा। विटोरी ने ऑक्शन के बाद कहा, हम नीलामी में उन सभी खिलाड़ियों के लिए उतरे जो हमारे लिए उपलब्ध थे। जैसे ही यह विकल्प उपलब्ध हुआ, अंतरराष्ट्रीय टीमों के कई बेहतरीन स्पिनर विकल्प के तौर पर मौजूद थे, लेकिन अबरार हमारी प्राथमिकता थे।

टीम के कोच डेनियल विटोरी ने बताया कि उन्होंने साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों से अबरार के बारे में राय ली थी। उसी आधार पर उन्हें टीम में शामिल करने का फैसला किया गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि फ्रेंचाइजी के भीतर पाकिस्तानी खिलाड़ियों को लेने या न लेने को लेकर कोई विशेष मीटिंग नहीं हुई थी।

आईपीएल की सनराइजर्स हैदराबाद ने पिछले साल द हंड्रेड की लीड्स फ्रेंचाइजी का अधिग्रहण किया था। यह टीम पहले नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स के नाम से जानी जाती थी। फ्रेंचाइजी ने ईसीबी से 49 प्रतिशत और यॉर्कशायर से 51 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदकर टीम का नियंत्रण अपने नाम किया था। सन ग्रुप सनराइजर्स फ्रेंचाइजी की मालिक है। यह चेन्नई में जन्मे कलानिधि मारन का है। काव्या मारन फ्रेंचाइजी की चीफ एग्जीक्यूटिव हैं। वह कलानिधि मारन की बेटी हैं। काव्या भी ऑक्शन टेबल पर मौजूद थीं।

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान ने साउथ अफ्रीका को बताया मूर्ख टीम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारत ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 जीतकर इतिहास रच दिया। टीम इंडिया ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में तीसरी बार टी20 विश्व कप पर अपना कब्जा जमाया। क्रिकेट जगत के तमाम दिग्गजों ने टीम इंडिया को जीत के लिए बधाई दी। हालांकि, इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने साउथ अफ्रीका पर अपनी भड़ास निकाली है। वॉन का कहना है कि साउथ अफ्रीका की वजह से आज भारत चैंपियन बना है। दरअसल, टी20 वर्ल्ड कप के सुपर–8 में भारत को पहले मैच में हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली टीम पर विश्व कप से बाहर होने का खतरा मंडराने लगा था। हालांकि, टीम इंडिया ने शानदार खेलते हुए न सिर्फ सेमीफाइनल में जगह बनाई बल्कि फाइनल भी अपने नाम कर लिया। चैंपियन बनने के बाद अब वॉन अपनी भड़ास साउथ अफ्रीका के कप्तान ऐडन मार्करम पर निकाल रहे हैं।

न्यूज डायरी

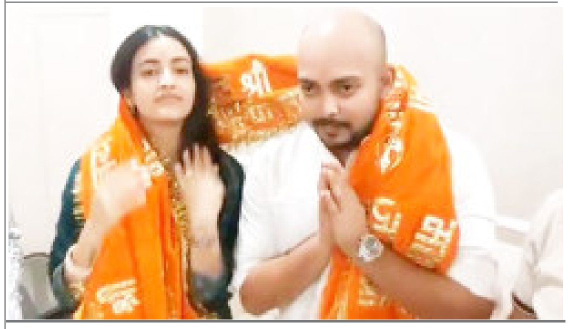

सगाई के बाद महाकाल का आशीर्वाद लेने पहुंचे पृथ्वी शॉ

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय टीम से बाहर चल रहे युवा बल्लेबाज पृथ्वी शॉ ने पिछले हफ्ते सगाई की थी। उन्होंने एक्ट्रेस और इंफ्लुएंसर आकृति अग्रवाल को घुटने पर बैठकर अंगुठी पहनाई थी। दोनों पिछले साल से रिलेशनशिप में थे। सगाई के बाद पृथ्वी अपनी मंगेतर के साथ उज्जैन स्थिति बाबा महाकाल के दर्शन के लिए पहुंचे। यह 12 ज्योतिर्लिंग में से एक है।

पृथ्वी शॉ और आकृति अग्रवाल ने महाकालेश्वर मंदिर में भस्म आरती में हिस्सा लिया। इसके बाद पृथ्वी ने कहा, श्यह अनुभव बहुत ही अद्भुत था। मैं पहली बार भस्म आरती के लिए यहां आया हूं। मैंने इसके बारे में बहुत कुछ सुना था। मुझे यहां आकर बहुत ही सकारात्मक ऊर्जा महसूस हुई। दर्शन बहुत अच्छे रहे, इसके लिए सभी का धन्यवाद। हमारा देश लगातार आगे बढ़ रहा है। हमने न सिर्फ एक, बल्कि दो–दो वर्ल्ड कप जीते हैं। आगे भी इसी तरह के और भी वर्ल्ड कप हम जीतेंगे। पृथ्वी शॉ ने पिछले साल गणेश चतुर्थी के मौके पर आकृति अग्रवाल के साथ फोटो शेयर की थी। तभी से बात होने लगी थी कि दोनों डेट कर रहे हैं। अर्जुन तेंदुलकर की शादी के दौरान भी पृथ्वी आकृति के साथ नजर आए थे। दोनों की शादी कब होगी, इस बारे में कोई जानकारी नहीं आई है। पृथ्वी शॉ अब आईपीएल की तैयारी में लग जाएंगे। आईपीएल 2026 की नीलामी में दिल्ली कैपिटल्स ने पृथ्वी शॉ को 75 लाख रुपये में खरीदा था। 2025 सीजन में वह अनसोल्ड थे। किसी भी फ्रेंचाइजी ने रिप्लेसमेंट के रूप में भी पृथ्वी को अपने साथ नहीं जोड़ा। 2018 में पृथ्वी शॉ ने दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से ही आईपीएल डेब्यू किया था।

सारा ने नई भाभी को दिया मेसेज, अर्जुन के लिए सानिया से यूं मांगा प्यार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। क्रिकेट के भगवान के नाम से मशहूर सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर की शादी 5 मार्च को मुंबई में सानिया चंडोक से हुई थी। अर्जुन की ग्रैंड वेडिंग में तमाम स्टार क्रिकेटर्स और बड़ी–बड़ी हस्तियां मौजूद थीं। इस शादी की कुछ तस्वीरें अब अर्जुन की बड़ी बहन सारा तेंदुलकर ने अपने ऑफीशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की हैं। इस बीच उन्होंने एक वीडियो भी शेयर की है, उस वीडियो में सारा ने अपनी भाभी सानिया के लिए खास बात कही है। सारा तेंदुलकर ने स्टेज पर आकर सानिया को लेकर कहा, सानिया तुम मेरी वो बहन हो जो मुझे हमेशा से चाहिए थी। तुम मेरे लिए भाभी से ज्यादा मेरी बहन हो। जैसा कि मेरी मां ने कहा कि मैं तुम्हें इस फैमिली में वेलकम नहीं कर सकती क्योंकि, तुम पहले से ही काफी सालों से इस परिवार का हिस्सा हो। उन्होंने आगे कहा, जैसा कि मैंने तुम्हारी इंगेजमेंट पर कहा था, मेरा भाई मेरा पूरा दिल है। अब मैं यह दिल तुम्हें सौंप रही हूं सानिया। प्लीज उसका ध्यान रखना, उसे प्यार करना, उसे संजोना, उसकी देखभाल करना। मुझे यकीन है कि वो भी यह सब तुम्हारे लिए करेगा। मैं तुम दोनों से प्यार करती हूं। मैं तुम्हें ढेर सारा प्यार, खुशी और इस दुनिया की हर एक चीज की कामना करती हूं। 26 साल के अर्जुन तेंदुलकर अब आईपीएल 2026 में खेलते हुए नजर आएंगे। बता दें कि आईपीएल 2026 के मिनी ऑक्शन से पहले अर्जुन तेंदुलकर मुंबई इंडियंस से लखनऊ सुपर जायंट्स में ट्रेड हो गए थे।

महिला के इवेंट में पुरुष की एंट्री नहीं, ट्रंप ने अब ओलंपिक पर धमकाया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। अमेरिका के पास 2028 ओलंपिक की मेजबानी है। लॉस एंजिल्स में इसका आयोजन किया जाएगा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ओलंपिक में पुरुषों को महिला इवेंट में हिस्सा लेने की अनुमति नहीं मिलेगी। इसके साथ ही उन्होंने खेलों में लैंगिक नीति पर अपने प्रशासन के रुख को दोहराया। पेरिस ओलंपिक में इस मुद्दे पर काफी विवाद हुआ था। इस मुद्दे पर बात करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि उन्होंने एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें कहा गया है कि सरकार केवल दो लिंगों को मान्यता देती है। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, मैं पुरुषों को महिला स्पोर्ट्स से दूर रखूंगा। मैंने एग्जिक्यूटिव ऑर्डर साइन किए हैं, जिसमें कहा गया कि सिर्फ दो ही जेंडर हैंगे– पुरुष और महिला। हमने दुनिया को यह साफ कर दिया है कि अमेरिका 2028 के ओलंपिक में पुरुषों को महिलाओं के खिलाफ मुकाबला करने की इजाजत नहीं देगा।

हमारा दून

संक्षिप्त समाचार

सीएम के निर्देश पर इकबालपुर चौकी के सभी पुलिसकर्मी निलंबित

संवाददाता देहरादून। रिाज्य में कानून व्यवस्था को लेकर सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत सख्त कार्रवाई की गई है। अवैध खनन से संबंधित एक ऑडियो सामने आने के बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर हरिद्वार जनपद की इकबालपुर पुलिस चौकी में तैनात पूरे स्टाफ को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार इकबालपुर क्षेत्र में अवैध खनन से जुड़े मामले में पुलिसकर्मियों की भूमिका संदिग्ध पाए जाने पर यह कार्रवाई की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार द्वारा तत्काल निर्णय लेते हुए चौकी प्रभारी सहित पूरी चौकी के छह पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है तथा मामले की विस्तृत जांच एसपी देहात को सौंप दी गई है।

मसूरी के व्यापारियों ने की गैस सिलेंडर की मांग

संवाददाता देहरादून। शहर में गैस की हो रही किल्लत को लेकर शहर के व्यापारियों ने मुख्यमंत्री को एसडीएम कार्यालय के माध्यम से ज्ञापन प्रेषित किया। उन्होंने घरेलू व व्यावसायिक गैस सिलेंडरों की आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की। ज्ञापन में कहा कि वर्तमान समय में मसूरी क्षेत्र में घरेलू व व्यावसायिक गैस सिलेंडरों की भारी कमी हो रही है जिस कारण छोटे व बड़े व्यापारिक प्रतिष्ठानों को समस्याओं से जूझना पड़ रहा है। शहर में बडे रेस्टोरेंटों, होटलों, व अन्य खान पान के प्रतिष्ठानों में गैस की कमी से बंदी के कगार पर पहुंच गए हैं।

नमामि गंगे योजना में करोड़ों खर्च बाद भी गंगा में बढ़ती गंदगी पर रोष जताया

संवाददाता देहरादून। जिला गंगा संरक्षण समिति की मासिक बैठक में नमामि गंगे योजना में करोड़ों रुपए के बजट खर्च किए जाने के बाद भी गंगा में बढ़ती गंदगी पर रोष जताया गया। कहा कि गंगा की सहायक नदी नालों में बड़ी मात्रा में कूड़ा बहाया जा रहा है जो गंगा में पहुंच रहा है। शुक्रवार को मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह की अध्यक्षता में जिला गंगा संरक्षण समिति की मासिक बैठक आयोजित की गई।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा
एल.के प्रिटर्स,74/9,आराघर,देहरादून से मुद्रित
व जाखन जोहड़ी रोड,
पी.ओ–राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।
संपादकः प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालयः
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल
दर्शनलाल चौक, देहरादून।

(M) 9319700701
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं0
UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून ही मान्य होगा।

उत्तराखंड में पर्याप्त घरेलू गैस, धैर्य रखें, परेशान न हों: सीएम

बजट सत्र

संवाददाता

देहरादून। भराड़ीसैंण विधानसभा में बजट सत्र का शुक्रवार को सीएम धामी सहित मंत्री विधायक सदन में पहुंचे। सत्र की शुरुआत हो गई है वहीं रसोई गैस को लेकर कांग्रेसी विधानसभा की सीढ़ियों पर बैठ धरना दे रहे हैं। भराड़ीसैंण में बजट सत्र के पांचवें दिन फिर एलपीजी गैस को लेकर कांग्रेसियों का धरना जारी है। सत्र शुरू हो गया है। बाहर कांग्रेस कार्यकर्ता विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। सत्र शुरू होते ही सदन में विपक्ष ने अवैध खनन का मुद्दा उठाया, लेकिन सरकार के जवाब से असंतुष्ट विपक्ष ने सदन से वाक आउट कर दिया।

ईरान–इजराइल युद्ध की वजह से उपजे प्राकृतिक गैस के संकट के बीच मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य में घरेलू रसोई गैस की पर्याप्त उपलब्धता है। शुक्रवार को विधानसभा परिसर के बाहर

■एलपीजी गैस को लेकर विपक्ष का प्रदर्शन, हंगामे पर यूकेडी नेता हुए गिरफ्तार

मीडिया कर्मियों से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार लगातार केंद्र सरकार और तेल कंपनियों के संपर्क में है। उपभोक्ताओं की आवश्यकता के अनुसार गैस की लगातार आपूर्ति हो रही है। तेल कंपनियों के स्थानीय गोदामों में गैस का पर्याप्त स्टॉक है। इसकी लगातार समीक्षा की जा रही है। मुख्यमंत्री ने अपील की कि लोग अनावश्यक परेशान न हों। कालाबाजारी और जमाखोरी करने वालों के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई की जाएगी। गैस एजेंसियों के गोदामों का भी नियमित रूप से मुआयना किया जा रहा है। मुख्यसचिव को हालात की नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए गए हैं।

सीएम धामी ने कहा कि मैं स्वयं भी लगातार खाद्य विभाग के अधिकारियों और सभी जिलों के डीएम से अपडेट ले रहा हूं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार प्रत्येक घर को उसकी आवश्यकता के अनुसार रसोई गैस उपलब्ध कराने को प्रतिबद्ध है। प्रदेश में वर्तमान में गैस के संकट की स्थिति नहीं है। मैं स्वयं भी लगातार इसकी समीक्षा कर रहा हूं। जमाखोरी कालाबाजारी करने वालों से सख्ती से निपटा जाएगा।

विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी ने पीठ से सरकार को एलपीजी की कालाबाजारी रोकने के लिए सख्त कार्रवाई के आदेश दिए। सदन में चर्चा न करने का आरोप लगा विपक्ष ने विरोध किया। इससे सदन की कार्यवाही 45 मिनट तक स्थगित रही।

नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, कांग्रेस विधायक प्रीतम सिंह ने नियम 310 पर प्रदेश में गैस सिलिंडरों की कालाबाजारी और जमाखोरी का मुद्दा उठाया। विस अध्यक्ष ने इस सूचना को नियम 58 में भोजनावकाश के बाद सुनने का विनिश्चय दिया। तीन बजे सत्र शुरू होने पर संसदीय कार्य मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा, एलपीजी की आपूर्ति केंद्र सरकार का विषय है। लिहाजा इस पर सदन में चर्चा नहीं की जा सकती है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वर्तमान में जिस तरह की परिस्थिति है, उससे केंद्र सरकार ने व्यावसायिक गैस सिलिंडरों की आपूर्ति पर रोक लगाई है। घरेलू एलपीजी गैस की कोई कमी नहीं है। शुक्रवार को विधानसभा सत्र के दौरान वापस जाने वाले विधायकों को रोकने के लिए आ रहे यूकेडी के नेताओं को सघन सुरक्षा के तहत पुलिस ने गिरफ्तार कर प्राथमिक स्कूल मेहलचौरी में बने अस्थाई जेल में बंद किया। कुछ को हाउस अरेस्ट किया गया।

जवाब से असंतुष्ट विपक्ष ने की चर्चा की मांग

सरकार के जवाब से असंतुष्ट विपक्ष ने चर्चा की मांग करते हुए विरोध किया। विपक्ष ने कहा पीठ से जब नियम 310 पर विनिश्चय दिया गया तो सरकार चर्चा करने से क्यों भाग रही है। प्रदेशभर में एलपीजी गैस के लिए लाइनें लग रही हैं। लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसके साथ ही होटल, ढाबा, रेस्टोरेंट संचालकों को एलपीजी सिलिंडर नहीं मिल रहे हैं। सदन की कार्यवाही 45 मिनट के स्थगित हुई। संसदीय कार्य मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा, सरकार ने सभी जिलाधिकारियों को एलपीजी की कालाबाजारी पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। नैनीताल जिले में तीन लोगों पर एफआईआर दर्ज की गई।

किसानों की फसल बचाने को केंद्र से मिले 25 करोड़

राहत

■सरकार के प्रयास लाए रंग, घेर–बाड़ योजना में फिर से शुरू हुई केंद्र की मदद

■सीएम ने केंद्रीय कृषि मंत्री से की थी बात, बताई थी राज्य की दिक्कत

संवाददाता

देहरादून। जंगली जानवरों से किसानों की फसल बचाने के लिए राज्य सरकार के प्रयास रंग लाए हैं। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की बातचीत के बाद घेर–बाड़ योजना के लिए केंद्रीय मदद एक बार फिर से मिलनी शुरू हो गई है। इस क्रम में केंद्रीय कृषि मंत्रालय ने 25 करोड़ रूपये की सहायता उत्तराखंड के लिए मंजूर की है।

उत्तराखंड में जंगली जानवरों से किसानों की फसल को नुकसान पहुंच रहा है। इसकी रोकथाम के लिए राज्य सरकार ने घेर बाड़ योजना शुरू की है। तीन वर्ष पहले तक राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत केंद्रीय कृषि मंत्रालय के स्तर पर आर्थिक सहयोग किया जा रहा था। मगर बाद में केंद्रीय सहायता बंद हो गई। किसानों की समस्या को देखते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर जिला योजना से घेर बाड़ के लिए मदद उपलब्ध कराई गई।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी इस योजना में केंद्रीय मदद प्राप्त करने के लिए लगातार प्रयासरत थे।

विधानसभा के बजट सत्र के पांचवें दिन शुक्रवार को कृषि मंत्री गणेश जोशी ने घेर बाड़ योजना के लिए केंद्रीय कृषि मंत्रालय से 25 करोड़ की स्वीकृति मिलने की जानकारी सदन में दी।

उन्होंने बताया कि पिछले दिनों गौचर में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के सामने सरकार ने इस विषय को रखा था। अब इस संबंध में केंद्रीय कृषि मंत्रालय के स्तर पर 25 करोड़ की स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। इस संबंध में मंत्रालय का पत्र विभाग को प्राप्त हो गया है।

तीन वर्षों में 2841 हेक्टेयर जमीन की घेर बाड़

राज्य सरकार ने सदन में जानकारी दी कि पिछले तीन वर्षों में जिला योजना से 2841 हेक्टेयर जमीन की घेर बाड़ कराई गई है। इस क्रम में 44 हजार 429 किसान लाभान्वित हुए हैं। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने सदन में कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस संबंध में संवेदनशीलता दिखाई है। इस बार के बजट में घेर बाड़ योजना के लिए दस करोड़ का प्रावधान किया गया है।

एलपीजी गैस से जुड़ी समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए कंट्रोलरूम सक्रिय

संवाददाता देहरादून। मुख्यमंत्री के निर्देशन में जिला प्रशासन द्वारा एलपीजी गैस से जुड़ी समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए कंट्रोलरूम सक्रिय है। जिलाधिकारी देहरादून सविन बंसल के निर्देशों जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एवं जिला आपातकालीन परिचालन केन्द्र में संचालित कंट्रोलरूम में नागरिकों की एलपीजी गैस सम्बन्धी शिकायतोंध्समस्याओं के निस्तारण के सम्बन्ध कार्यवाही की जा रही है। जिला प्रशासन द्वारा प्रसारित 1077, 0135–2626066, 2726066 और व्हाट्सएप नंबर 7534826066 के माध्यम से 05 बजे तक कुल 405 शिकायतें एलपीजी गैस की आपूर्ति के सम्बन्ध में दर्ज हुई है। वही कंट्रोल रूम में मौजूद जिला खाद्य पूर्ति विभाग, देहरादून में सप्लाई कर रही एलपीजी गैस के सभी एजेंसियों के प्रतिनिधित्व और जिला प्रशासन की टीम द्वारा लगातार आ रही एलपीजी गैस की आपूर्ति, सिलेंडर उपलब्धता या अन्य किसी प्रकार की समस्या को लेकर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है।

बजाज पल्सर का एन160 अब नई कीमत में

संवाददाता देहरादून। दुनिया की सबसे वैल्यूएबल टू– और थ्री–व्हीलर मैन्युफैक्चरर कंपनी बजाज ऑटो लिमिटेड ने आज उत्तराखंड में पल्सर एन160 सिंगल सीट यूएसडी वेरिएंट के लिए विशेष कीमत की घोषणा की। यह मोटरसाइकिल अब आईएनआर 1,21,239ध–(एक्स–शोरूम उत्तराखंड) की कीमत पर उपलब्ध है।